फरवरी 2025

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

चुनाव आयोग का हाल

भाजपा संग कदमताल

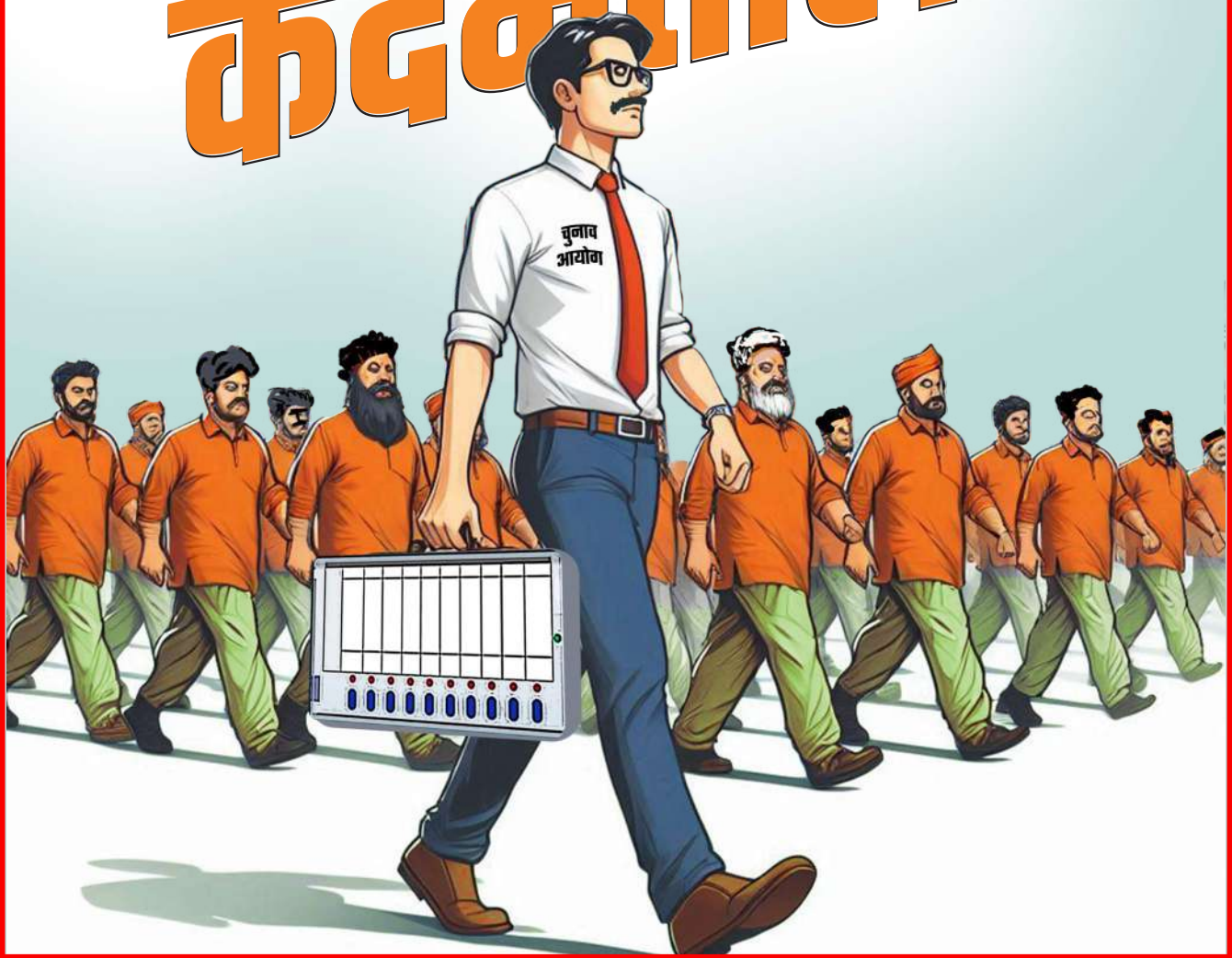

R.N.I. No. 68832/97

www.samajwadiparty.in

जो लोग सत्ता के मद में चूर होकर अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं, वे कुछ समय पश्चात स्वयं ही धूल में मिल जाते हैं। जनता का दिल जीतने के लिए जन समस्याओं पर निरंतर संघर्ष ही सबसे सही रास्ता है। गरीबों-मजलूमों की आवाज बनकर और संघर्ष के बाद मिलने वाली सत्ता स्थायी भी होती है और समाज के विकास के लिए ताकत भी प्रदान करती है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

फरवरी 2025

वर्ष 26 | संख्या 04

PDA काव्य विचार

अंगारों पर चलकर भी
हम अपनी राह बनाएंगे ।
ये मत समझो जुल्मों सितम से तेरे
हम डर जाएंगे ॥
बहुत तमाशा बना चुके हो
जनता की लाचारी का ।
अब आगे जो रण होगा वह युद्ध
तुम पर भारी होगा ॥
पीडीए के संघर्ष का
ऐसा जनांदोलन जगाएंगे ।
आततायी भाजपा को सत्ता से
हम मिलकर हटाएंगे ॥

- वीरेन्द्र कुमार यादव
ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

बजट में पीडीए के उत्थान के लिए कुछ नहीं 36

06 कवर स्टोरी

चुनाव आयोग का हाल भाजपा संग कदमताल

महाकुंभ में हाहाकार,नाकारा यूपी सरकार 20

फोटो स्रोत : गूगल

प्रयागराज महाकुंभ में अव्यवस्थाओं की वजह से परेशान श्रद्धालुओं को सुविधा उपलब्ध कराने में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह नाकाम रही। अव्यवस्था की वजह से ही महाकुंभ में भगदड़ के कारण कई श्रद्धालुओं की जान गई।

दिल्ली में भाजपा विरोध का प्रमुख चेहरा बने अखिलेश 32

गांव-गांव, बूथ-बूथ PDA पंचायत 38

उदय प्रताप जी को मिला प्रतिष्ठित सम्मान

'चराग़-ए-दैर'

बुलेटिन ब्यूरो

हिन्दी-उर्दू के प्रख्यात कवि, समाजवादी विचारक एवं पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह को 15 फरवरी को आध्यात्मिक पुनर्जागरण एवं व्यवस्था नहीं अवस्था परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थान 'अक्' की ओर से देश के प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मान मिर्जा गालिब पुरस्कार चराग़-ए-दैर से सम्मानित किया गया। 15 फरवरी को ही उर्दू-फारसी के महान शायर मिर्ज़ा असदुल्लाह खां ग़ालिब की पुण्यतिथि है।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ के डॉ राममनोहर लोहिया सभागार में आयोजित समारोह में दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत श्री उदय प्रताप सिंह को गालिब मार्का लम्बी हरी टोपी, अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को भी अंगवस्त्र, स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह में श्री अखिलेश यादव ने स्वामी ओमा द अक् को भी शाल ओढ़ाकर सम्मान दिया।

सम्मान समारोह में सुश्री शिवा सिंह द्वारा उदय प्रताप जी पर निर्मित डाक्यूमेंटरी भी प्रदर्शित की गई। समारोह को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री उदय प्रताप सिंह जी न केवल देश में अपितु

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी बड़े कवि और नेताजी श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जी के गुरू के रूप में जाने और पहचाने जाते हैं। उनकी कविताएं प्रेरणादायक हैं। सच्चा कवि समाज को दिशा देता है। उस पर सरकारी रुत्बे का असर नहीं होता है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री उदय प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी के लिए लोकप्रिय झंडा गीत, मन से हैं मुलायम और साइकिल पर भी कविताएं लिखीं। वे हमारे मार्गदर्शक और परिवार के बुजुर्ग भी हैं। उनके दीर्घ जीवन की हम कामना करते हैं।

समारोह में राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि उदय प्रताप जी उनके गुरू और अभिभावक हैं। उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। स्वामी ओमा द अक् ने श्री उदय प्रताप सिंह को जन कवि बताते हुए कहा कि राजनीति में रहते हुए साहित्य को बचा रखना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि बुद्ध और महावीर के संदेश में जो समाजवाद की मूल भावना है उससे खुद को जोड़कर उदय प्रताप सिंह जी डॉ राममनोहर लोहिया की समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री उदय प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी के लिए लोकप्रिय झंडा गीत, मन से हैं मुलायम और साइकिल पर भी कविताएं लिखीं। वे हमारे मार्गदर्शक हैं

समारोह में सम्मान पाने के बाद श्री उदय प्रताप सिंह ने मिर्जा गालिब के नाम पर चराग-ए-दैर पुरस्कार के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें देश-विदेश में तमाम पुरस्कार मिले हैं पर यह सबसे अलग है। मैंने कभी नकारात्मक रचना नहीं की। मैं प्रेम को बांटने और सद्भाव सौहार्द के विस्तार का पक्षधर रहा हूं।

समारोह में प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी आदि वरिष्ठ नेता व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

चुनाव आयोग का हाल भाजपा संग कदमताल

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए इस माह हुए उपचुनाव में एक बार फिर चुनाव आयोग की साख पर दाग लगा है। हाल के कुछ वर्षों में विपक्षी दलों खासकर समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनावों में आयोग पर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के बजाय सत्तारूढ़ भाजपा की जीत सुनिश्चित कराने का आरोप लगाया है।

सपा के आरोपों में इसलिए दम है क्योंकि मिल्कीपुर में 5 फरवरी को मतदान वाले दिन पुलिस प्रशासन द्वारा भाजपा की जीत सुनिश्चित करवाने को लेकर सपा की ओर से आयोग को भेजी गईं करीब 500 शिकायतों का चुनाव आयोग ने संज्ञान तक नहीं लिया। कोई कार्रवाई करना तो दूर की बात। आयोग के इस रवैए से बेहद खफा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आयोग मर चुका है।

दरअसल चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर उंगली उठना निश्चित ही चिंता का विषय है। लोकतांत्रिक ढांचे की बुनियाद का एक अहम हिस्सा चुनाव आयोग यूं ही नहीं

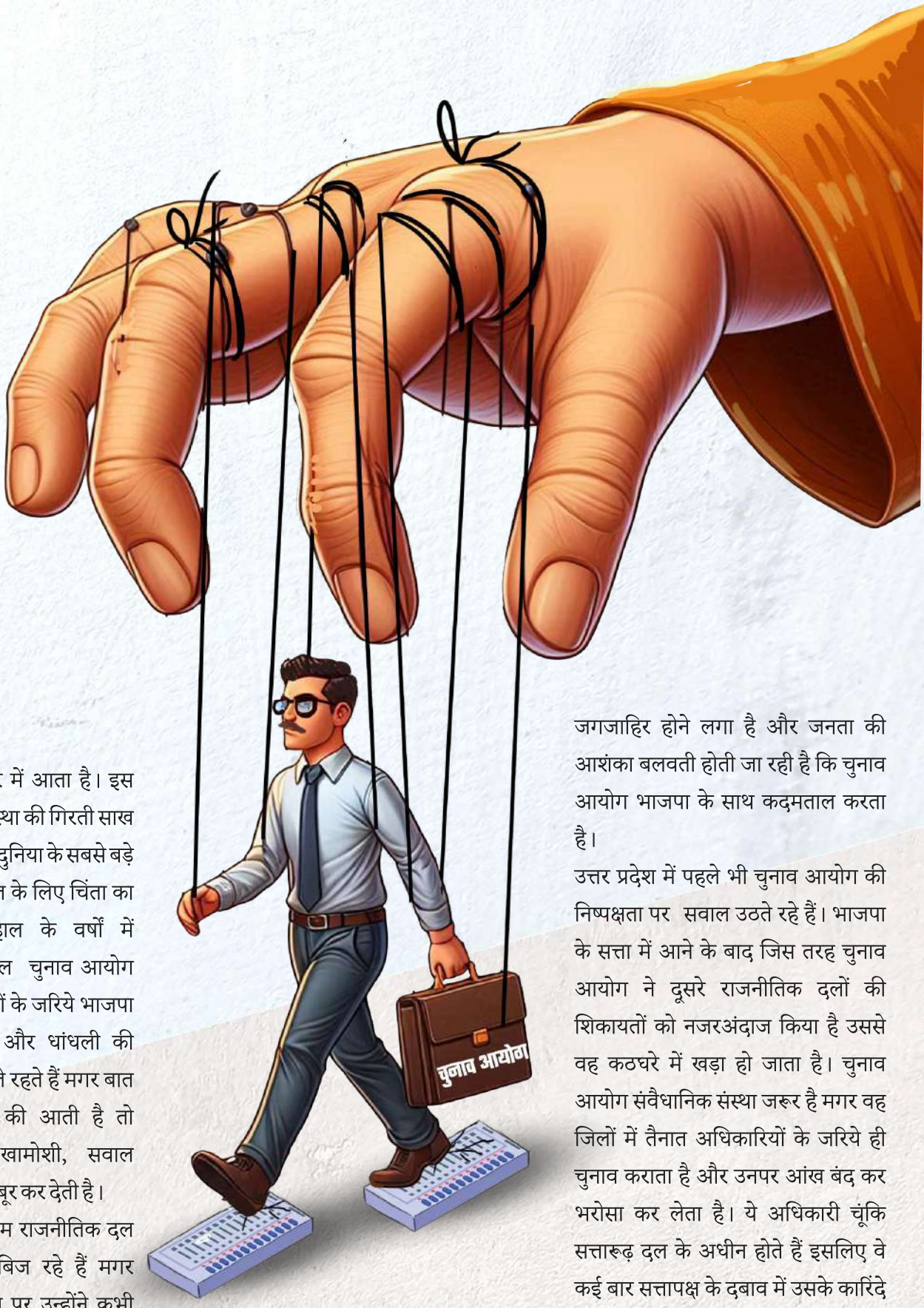

सवालों के घेरे में आता है। इस संवैधानिक संस्था की गिरती साख और खामोशी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लिए चिंता का सबब है। हाल के वर्षों में राजनीतिक दल चुनाव आयोग के सामने तथ्यों के जरिये भाजपा की मनमानी और धांधली की शिकायतें करते रहते हैं मगर बात जब भाजपा की आती है तो आयोग की खामोशी, सवाल उठाने को मजबूर कर देती है।

पहले भी तमाम राजनीतिक दल सत्ता पर काबिज रहे हैं मगर चुनाव आयोग पर उन्होंने कभी भी दबाव नहीं बनाया जितना भाजपा बनाती रहती है। अब यह जगजाहिर होने लगा है और जनता की आशंका बलवती होती जा रही है कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ कदमताल करता है।

उत्तर प्रदेश में पहले भी चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते रहे हैं। भाजपा के सत्ता में आने के बाद जिस तरह चुनाव आयोग ने दूसरे राजनीतिक दलों की शिकायतों को नजरअंदाज किया है उससे वह कठघरे में खड़ा हो जाता है। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था जरूर है मगर वह जिलों में तैनात अधिकारियों के जरिये ही चुनाव कराता है और उनपर आंख बंद कर भरोसा कर लेता है। ये अधिकारी चूंकि सत्तारूढ़ दल के अधीन होते हैं इसलिए वे कई बार सत्तापक्ष के दबाव में उसके कारिंदे बनकर काम करने लगते हैं।

जब प्रदेशों या केंद्र में भाजपा सरकार हो तो

इन अधिकारियों की मनमानी और बढ़ जाती है क्योंकि उन्हें पता होता है कि उपचुनाव के नतीजों से सत्ता परिवर्तन नहीं होता है इसलिए यह आरोप लगता है कि वे भाजपा के इशारे पर काम करने लगते हैं ताकि चुनाव बाद भी उनकी कुर्सी बची रहे।

अगर अन्य दलों के इतिहास पर नजर डालें तो उन्होंने कभी भी चुनाव में अधिकारियों का इस्तेमाल नहीं किया। खासतौर पर समाजवादी सरकार ने कभी भी निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों पर कोई दबाव नहीं बनाया। श्री मुलायम सिंह यादव की सरकार रही हो या फिर श्री अखिलेश यादव की सरकार, एक भी उदाहरण नहीं मिलता जब इन नेताओं की सरकार में हुए चुनाव में कोई मनमानी की शिकायत हुई है।

पर, हाल के कुछ वर्षों में चुनाव आयोग पर लगातार उंगलियां उठती रही हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान अचानक लाखों वोटरों का बढ़ना रहा हो या फिर ईवीएम में गड़बड़ी की लगातार मिलती शिकायतें, इस आशंका को बल देती हैं कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ कदमताल कर रहा है।

पिछले दिनों यूपी की कई सीटों पर उपचुनाव हुए। कुंदरकी हो या फिर मिल्कीपुर, अधिकारियों ने उपचुनाव में जितनी धांधली और मनमानापन किया, पूरी दुनिया ने देखा। वोटरों को धमकाना, बूथों से खदेड़ना या फिर फर्जी मतदान, सब शिकायतों पर आंखें मूंदे रहने से चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठाता है।

दरअसल भाजपा की पुरानी शैली रही है कि वह किसी भी सूरत में सत्ता पर काबिज रहना चाहती है। सत्ता के लिए किसी संवैधानिक संस्था को कठघरे में खड़ा करने में भी उसे कोई गुरेज नहीं रहता।

लोकसभा चुनाव 2024 में अयोध्या जनपद की फैजाबाद संसदीय सीट से समाजवादी पार्टी के एक दलित समाज के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद की जीत के बाद भाजपा तिलमिला गई और उसने श्री अवधेश प्रसाद के इस्तीफे के बाद रिक्त मिल्कीपुर विधानसभा सीट जीतने के लिए सभी हदें पार कर दीं। मुख्यमंत्री ने इसे अपनी प्रतिष्ठा का चुनाव मानकर अधिकारियों को आगे किया।

उपचुनाव से पहले ही पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक यानी PDA समुदाय के अधिकारियों-कर्मचारियों को हटाकर अपने मनचाहे अफसरों को लगाया गया। उन्हें जिताने के लिए टार्गेट दिए गए। पीडीए समाज को हटाकर भाजपा सरकार ने उनका अपमान किया। इस मसले को समाजवादी पार्टी ने उठाया और चुनाव आयोग के सामने तथ्यों के साथ शिकायतें की मगर आयोग मौन रहा।

चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए मिल्कीपुर में 6 दौरे किए। सरकार के 7 मंत्री पिछले छह माह से मिल्कीपुर में रहे और पीडीए समाज से जुड़े अधिकारियों को हटवाते रहे। अधिकारियों-कर्मचारियों पर मंत्रियों ने दबाव बनाए रखा। जिस पर सपा ने आरोप लगाया कि उपचुनाव में समाजवादी पार्टी को हराने के लिए अधिकारियों ने भाजपा का साथ दिया। मतदान वाले दिन ऐसे कई आडियो वायरल हुए जिसमें अधिकारी-कर्मचारी भाजपा पदाधिकारियों को दिए गए टार्गेट को पूरा करने की रिपोर्ट देते रहे।

चुनाव आयोग इसका भी संज्ञान नहीं लिया। सरकारी तंत्र के साथ भाजपा के नापाक मेल

“

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए की बढ़ती शक्ति का सामना भाजपा वोट के बल पर नहीं कर सकती है इसीलिए वह चुनावी तंत्र का दुरुपयोग करके जीतने की कोशिश करती है। ऐसी चुनावी धांधली करने के लिए जिस स्तर पर अधिकारियों की हेराफेरी करनी होती है, वह एक विधानसभा में तो भले किसी तरह संभव है लेकिन 403 विधानसभाओं में ये 'चार सौ बीसी' नहीं चलेगी।

उन्होंने कहा कि इस बात को भाजपा वाले भी जानते हैं, इसीलिए भाजपाइयों ने मिल्कीपुर का उपचुनाव टाला था। पीडीए यानी 90 प्रतिशत जनता ने ख़ुद अपनी आंखों से ये धांधली देखी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र और संविधान विरोधी काम कर रही है। लोगों को वोट नहीं डालने दे रही है। सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। मिल्कीपुर में इस दुनिया से जा चुके लोगों के भी वोट डाल दिए गए। शिकायतों पर चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की ? इसीलिए हमने कहा कि चुनाव आयोग मर गया। चुनाव आयोग को जांच करनी चाहिए कि मरे लोगों का कैसे वोट डाल दिया गया? अगर मरे लोगों का वोट पड़ा है तो चुनाव आयोग ने पीठासीन अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की?

उन्होंने कहा कि ये झूठी जीत है जिसका

2027 में नहीं चलेगी भाजपा की चार सौ बीसी

जश्न भाजपाई कभी भी आइने में अपनी आंखों-में-आंखें डालकर नहीं मना पाएंगे। उनका अपराध बोध और भविष्य में हार का डर उनकी नींद उड़ा देगा।

उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों ने चुनावी घपलेबाजी का अपराध किया है वह आज नहीं तो कल अपने लोकतांत्रिक-अपराध की सजा पाएंगे। एक-एक करके सबका सच सामने आएगा। न कुदरत उन्हें बख्शेगी, न ही कानून। भाजपाई उनका इस्तेमाल करके छोड़ देंगे, उनकी ढाल नहीं बनेंगे। जब उनकी नौकरी और पेंशन जाएगी तो वह अपने बच्चों, परिवार और समाज के बीच अपमान की जिंदगी की सज़ा अकेले भुगतेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए के लोग एकजुट होकर भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे। पीडीए देख रहा है कि उनका वोट छीना जा रहा है। उन्हें अपमानित किया जा रहा है। भाजपा सरकार बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान में दिए गए वोट के अधिकार को छीन रही है। भाजपा सरकार में पीडीए के लोगों को सीओ, एसओ की तैनाती नहीं मिल रही है। चुनाव में उन्हें हटा दिया जाता है, पीडीए भाजपा को समझ चुका है। 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए की सरकार बनेगी। भाजपा सरकार से बाहर होगी।

की वजह से समाजवादी पार्टी हार गई। यह मेल इस हद तक रहा कि श्री अवधेश प्रसाद को बर्दाश्त न करने वाली भाजपा ने उन्हें उनके बूथ पर तंत्र के जरिये हराया ताकि उन्हें अपमानित किया जा सके। दरअसल, भाजपा को यह पसंद नहीं कि अयोध्या का सांसद कोई दलित समाज का हो।

धांधली का आलम यह था कि मतदान वाले दिन समाजवादी पार्टी की 500 शिकायतों पर चुनाव आयोग ने ध्यान ही नहीं दिया। पुलिस ने जिस तरह नेताओं-कार्यकर्ताओं को धमकाया, वोटरों को धमकियां दीं, उससे लोकतंत्र शर्मसार हुआ।

यह बात बिल्कुल साफ और तथ्यपरक है कि मिल्कीपुर में जाति के आधार पर अधिकारी कर्मचारी और बीएलओ की पोस्टिंग की गई। उपचुनाव में तैनाती के लिए एक साथ सूची जारी करने के बजाय एक-एक नाम का आर्डर निकाला गया जिससे चुनाव कराने वालो की जाति न पता चले।

मतदान वाले दिन हो रही अनियमितताओंकी समाजवादी पार्टी की ओर से लगातार शिकायतें की गईं लेकिन एक भी शिकायत पर आयोग ने कार्रवाई नहीं की। शिकायतों पर आंखें बंद कर लेने से चुनाव आयोग की साख पर आंच आना स्वाभाविक है। जाहिर है, शिकायतों के बाद भी कार्यवाही न होने से जनता में आक्रोश पनपना भी लाजिमी है। ऐसे में स्वाभाविक है कि विपक्षी दल और जनता की भी यही अपेक्षा है कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ कदमताल करने के बजाय संवैधानिक संस्था की तरह निष्पक्षता पर जोर दे और ऐसे अधिकारियों पर नकेल कसे जो उसकी साख पर लगातार बट्टा लगा रहे हैं।

सपा के पक्ष में बह रही थी जीत की बयार

बुलेटिन ब्यूरो

मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भाजपा ने सरकारी तंत्र की मदद से जीत भले ही हासिल कर ली है लेकिन जमीनी सच्चाई यही है कि वहां उपचुनाव के ऐलान से पहले ही समाजवादी पार्टी की जीत की बयार बह रही थी। समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदाता मुखर था।

मतदाताओं के रुख को भांपकर भाजपा ने धांधली की बिसात बिछानी शुरू की और सबसे पहले उसने पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारियों-कर्मचारियों को विधानसभा क्षेत्र से हटाकर अपने मनचाहे अधिकारियों-कर्मचारियों की तैनाती कर दी थी।

मिल्कीपुर समाजवादी पार्टी का गढ़ रहा है। यहां पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यक मतदाताओं की पहली पसंद समाजवादी पार्टी है। सपा के श्री अवधेश प्रसाद अयोध्या जनपद की फैजाबाद संसदीय सीट का सांसद बनने से पहले यहां के विधायक रहे

हैं।

यह सीट उनके इस्तीफे से ही खाली हुई थी। समाजवादी पार्टी ने श्री प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को प्रत्याशी बनाया। उपचुनाव की तारीख का ऐलान होते ही मिल्कीपुर में समाजवादी पार्टी की जीत पक्की हो गई थी और मतदाता खुलेआम यह कह रहे थे कि समाजवादी पार्टी ही जीतने जा रही है क्योंकि उसने मिल्कीपुर की अवाम का हमेशा ख्याल रखा।

यहां जिस तरह मतदाता खासतौर पर पीडीए लामबंद था उससे समाजवादी पार्टी के पक्ष में माहौल बना था। भाजपा भी यह भांप गई कि मिल्कीपुर में सपा की ही हवा बह रही है, तब भाजपा ने मिल्कीपुर की सीट पर कब्जा करने के लिए साजिश करनी शुरू कर दी।

दरअसल लोकसभा चुनाव में हार को भाजपा पचा नहीं पा रही थी। उसे अखरता रहा है कि अयोध्या में दलित सांसद कैसे हो गया। यही वजह रही है कि ऐसे मंसूबे बनाए गए कि जिस अवधेश प्रसाद को जनता ने हमेशा सिर पर बैठाया उन्हें अपमानित करने और नीचा दिखाने के लिए उनके बूथ पर ही उन्हें हराने की साजिश की गई। समाजवादी पार्टी और श्री अवधेश प्रसाद को हराने के लिए भाजपा ने पूरी उत्तर सरकार को आगे कर दिया। मुख्यमंत्री ने खुद इस सीट पर अपने चहेते अफसरों को लगाया। अफसरों ने मतदाताओं की इच्छा को कुचलने के लिए पूरे तंत्र का इस्तेमाल किया।

समाजवादी पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं को परेशान किया गया। यहां तक कि श्री अखिलेश यादव की जनसभा की अनुमति देने में भी प्रशासन ने हीलाहवाली की जबकि मुख्यमंत्री कई बार आए और जहां चाहा सभा की, सम्मेलन किए। श्री अखिलेश यादव की जनसभा के लिए पहले इनायतनगर स्थित पांच नंबर चौराहा प्रस्तावित था मगर उसे बदला गया। बाद में हैरिंग्टनगंज के किसान इंटर कॉलेज कल्याणपुर मैदान में सभा की बहुत आनाकानी और दबाव के बाद अनुमति दी गई।

समाजवादी पार्टी के पक्ष में बहती हवा और मतदाताओं के मंसूबों को कुचलने के लिए भाजपा द्वारा तंत्र का ऐसा भेजा इस्तेमाल किया गया कि आखिरकार तंत्र जीत गया और लोक हार गया। मिल्कीपुर की अवाम तंत्र के इस इस्तेमाल से खासा नाराज भी है और अब वह 2027 में भाजपा को इसका सबक सिखाएगी।

अखिलेश-डिंपल के दौरों में उमड़ा जनसैलाब गवाह रहेगा

बुलेटिन ब्यूरो

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा जीत भले ही गई लेकिन वहां सपा के स्टार प्रचारकों श्री अखिलेश यादव एवं सांसद श्रीमती डिंपल यादव के चुनावी अभियान में उमड़े जनसैलाब ने गवाही दे रखी थी कि मिल्कीपुर की जनता किसके पक्ष में है।

श्रीमती डिंपल यादव के रोड शो और बाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की जनसभा मेंजनसैलाब इस बात की गवाही दे रहा था कि पीडीए ने एकजुट होकर फिर मिल्कीपुर में समाजवादी पताका फहराने का मन बना लिया है मगर जनता की ख्वाहिशों को तंत्र ने कुचल दिया। अधिकारियों ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए लोकतंत्र को मजाक बना डाला।

31 जनवरी को जब सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने कुमारगंज से मिल्कीपुर तक करीब 10 किमी तक रोड शो किया तो ऐसा

जनसैलाब उमड़ा कि 10 किमी का यह रोड शो पूरा होने में 3 घंटे से ज्यादा लग गए। महर्षि वामदेव मंदिर से पूजा करने के बाद जब श्रीमती डिंपल यादव विधायक रागिनी सोनकर, सांसद प्रिया सरोज, श्री अवधेश प्रसाद, श्रीमती जूही सिंह व अजीत प्रसाद के साथ निकलीं तो जिस तरह समाजवादी पार्टी के पक्ष में जयकारे लग रहे थे, उसी से तय हो गया था कि समाजवादी पार्टी की जीत पक्की है। यह व्यापक जनसमर्थन भी भाजपा सरकार को अखर गया।

3 फरवरी को जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जनसभा के लिए मिल्कीपुर पहुंचे तो वहां भी उनके समर्थन में जन सैलाब उमड़ पड़ा। जनसभा से पहले श्री अखिलेश यादव ने स्वर्गीय मित्रसेन यादव की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और बाद में चुनावी सभा में भाजपा को घेरा।

श्री अखिलेश यादव ने जनसभा में कहा था कि मिल्कीपुर का चुनाव चुनौती है। यह चुनाव जनता बनाम सरकार के बीच है। मतदाताओं और प्रशासन के बीच होने जा रहा यह चुनाव राजनीति की दिशा का संदेश देगा। मिल्कीपुर की जनता समाजवादियों के साथ है इसीलिए भाजपा ने 9 सीटों के साथ हुए उपचुनाव के साथ मिल्कीपुर का चुनाव नहीं होने दियाथा। उन्होंने कहा कि अयोध्या की जनता ने भाजपा की साम्प्रदायिक राजनीतिक को खत्म कर दिया।

श्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कहा कि मुख्यमंत्री और सरकार महाकुंभ में भगदड़ की सचाई नहीं बता रही है। मौतों के आंकड़े को छिपा रहे हैं। सरकार मरने वालों और खोने वालों के सही आंकड़े नहीं बता

जी.जी.ए.
महानायक

रही है। मुख्यमंत्री जी कुंभ की घटना को चाहे जितना छिपा लें लेकिन सोशल मीडिया के जरिए सब लोग जान गए हैं कि श्रद्धालुओं के साथ किस तरह की घटना घटी।

जनसभा में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोग वस्त्र से नहीं विचार से योगी होते हैं। जो सच को छिपाए वह योगी नहीं है। जो सत्य बोले वही योगी होता है। सरकार और मुख्यमंत्री सच नहीं बोल रहे हैं। मुख्यमंत्री खिसियाए हुए हैं इसीलिए मिल्कीपुर में आकर समाजवादी पार्टी के सांसद श्री अवधेश प्रसाद को अपमानित किया। उनके लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। समाजवादी लोग विकास चाहते हैं लेकिन किसानों को उनकी जमीनों का बाजार भाव के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2027 में समाजवादियों की सरकार बनेगी तो अयोध्या को वर्ल्ड क्लास शहर बनाएंगे, किसानों की अधिग्रहीत जमीनों का सर्किल रेट बढ़ाकर मुआवजा देंगे। जनसभा में सिद्धपीठ करतलिया बाबा आश्रम के महंत श्री राम दास बालयोगी ने श्री अखिलेश यादव को गदा भेंट की और रामनामी पहनाकर एवं प्रसाद देकर विजयश्री का आशीर्वाद दिया।

भाजपा को यह भी नहीं अच्छा लगा कि साधू संत श्री अखिलेश यादव को विजयश्री का आशीर्वाद दें। इसके बाद ही साजिशें और गहरी हो गईं और धांधली के जरिये चुनाव जीतने के लिए पूरा तंत्र लगा दिया गया। मतदान के दिन तंत्र के दुरुपयोग के कई आडियो वायरल होकर चीखने लगे कि मिल्कीपुर में धांधली हो रही है मगर चुनाव आयोग खामोश रहा।

शिकायतों पर चुनाव आयोग ने फेर लीं नजरें

बुलेटिन ब्यूरो

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव की घोषणा होते ही समाजवादी पार्टी को अंदेशा हो गया था कि वहां भाजपा सरकार पिछले उपचुनावों की तरह ही व्यापक धांधली करने की योजना पर काम कर रही है इसलिए समाजवादी पार्टी ने पैनी नजर रखी थी।

जब जाति के आधार पर बीएलओ को हटाया जा रहा था, तब भी समाजवादी पार्टी ने शिकायतें कीं। आवाज बुलंद की मगर चुनाव से पहले और मतदान के दिन तक समाजवादी पार्टी की सभी शिकायतों पर चुनाव आयोगों ने नजरें फेर लीं। नतीजा यह हुआ कि भाजपा के दबाव में काम कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों का हौसला और बढ़ गया और उन्होंने जमकर धांधली की।

मतदान के दिन समाजवादी पार्टी ने करीब 500 शिकायतें कीं मगर एक पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी शिकायतें करते रहे। मतदान के दिन श्री अखिलेश यादव ने स्पष्ट रूप से कहा कि उपचुनाव में भाजपा सरकार के इशारे पर लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की धज्जियां उड़ायीं गयीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और प्रशासन ने कई जगहों पर फर्जी वोटिंग की और जमकर धांधली की। पुलिस-प्रशासन का रवैया अलोकतांत्रिक रहा। दर्जनों बूथों पर समाजवादी पार्टी के बूथ एजेंटों को डराया-धमकाया गया। भाजपा ने मिल्कीपुर में बेईमानी के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए। पुलिस-प्रशासन का उन्हें खुला संरक्षण मिला। पुलिस-प्रशासन ने भाजपा के गुण्डों को खुली छूट देकर चुनाव आचार संहिता का घोर उल्लंघन किया।

श्री यादव ने कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव में कई बूथों पर प्रशासन और बीएलओ ने फर्जी मतदान कराया। भाजपा के सत्ता संरक्षित लोगों ने बाहर से गुण्डों को बुलाकर फर्जी वोटिंग करवाई। बूथ संख्या 158 पर एसडीएम द्वारा खुद बूथ कैप्चरिंग की शिकायत चुनाव आयोग से की गई। आयोग से मामले को संज्ञान में लेकर ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस-प्रशासन ने मतदाताओं के बीच डर का माहौल बनाकर मतदान को प्रभावित किया गया। श्री यादव ने कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव में रायपट्टी अमानीगंज में फर्जी वोट डालने की बात अपने मुंह से कहने वाले ने साफ कर दिया कि भाजपा सरकार में अधिकारी किस तरह से धांधली में लिप्त है। निर्वाचन आयोग को और क्या सबूत चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया के जरिए चुनाव आयोग से शिकायत की कि कुछ बूथों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट अश्वनी कुमार एवं चौकी प्रभारी खंडासा अनुराग पाठक व पीठासीन अधिकारी ने मिलकर मतदान को प्रभावित किया। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में कई मतदान केन्द्रों पर समाजवादी पार्टी के एजेंटों को या तो बाहर कर दिया गया या एजेन्ट ही नहीं बनाया गया। ज्यादातर बूथों पर ईवीएम खराब होने की शिकायतें मिलीं। मुस्लिम महिलाओं का बुर्का हटाकर उनकी पहचान करने के बहाने उन्हें भयभीत और अपमानित किया गया।

श्री यादव ने शिकायत की कि भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया को ध्वस्त कर दिया है। वह लोकतंत्र की हत्या करने पर आमादा है। भाजपा सरकार और प्रशासन ने खुलेआम चुनाव प्रक्रिया का अपहरण कर लिया है। उपचुनाव सिर्फ खानापूर्ति आयोजन बनकर रह गया है। सरकार के अधिकारी, कर्मचारी खुलेआम फर्जी मतदान कर रहे है। समाजवादी पार्टी के समर्थक वोटरों को वोट नहीं डालने दिया गया।

सपा मुखिया ने साफ कहा कि पुलिस के बड़े अधिकारियों ने भी मतदाताओं का परिचय पत्र चेक किया। अप्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं में भय उत्पन्न करके मतदान को प्रभावित करने का लोकतांत्रिक अपराध किया गया है। तमाम शिकायतों के बाद भी भाजपा लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता को नष्ट करने से बाज नहीं आई।

इन शिकायतों के बाद भी चुनाव आयोग सक्रिय नहीं हुआ। मतदान के दिन समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से भेंट कर उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के पोलिंग एजेंटों को मतदान कक्ष से बाहर निकाल देने, पुलिस अधिकारियों द्वारा मतदाताओं की आईडी चेक करने, दर्जनों पोलिंग स्टेशनों पर भाजपा द्वारा फर्जी वोटिंग कराने, बीजेपी नेताओं द्वारा चार पहिया वाहनों के काफिले के साथ निर्वाचन क्षेत्र में घूम-घूम कर निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित किये जाने की शिकायत की। चुनाव आयोग ने किसी भी शिकायत का संज्ञान नहीं लिया और भाजपा को अधिकारियों के साथ मिलकर मनमानी करने की खुलेआम छूट दी गई।

फोटो स्रोत : गूगल

महाकुंभ में हाहाकार नाकारा यूपी सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

प्रयागराज महाकुंभ में अव्यवस्थाओं की वजह से परेशान श्रद्धालुओं को सुविधा उपलब्ध कराने में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह नाकाम रही। अव्यवस्था की वजह से ही महाकुंभ में भगदड़ के कारण कई श्रद्धालुओं की जान गई। भीड़ आगे बढ़ी तो सो रहे लोगों को कुचलते हुए निकल गई जिससे भगदड़ मच गई।

सरकार की नाकामी से 28 जनवरी को हुई उक्त भगदड़ के 17 घंटे बाद तक सरकार मौतों के आंकड़ों पर पर्दा डालती रही। काफी दबाव के बाद उसने 30 मौत का आंकड़ा जारी किया। सरकार के इस रवैये से श्रद्धालुओं के साथ ही साधु-संत व शंकराचार्य तक नाराज हुए। एक शंकराचार्य ने तो यहां तक कह दिया कि संत मुख्यमंत्री से यह अपेक्षा नहीं थी।

भगदड़ से हुई मौतों के बाद सरकार ने जिस तरह आंकड़ों को छिपाने-मिटाने की कोशिश की वह भी दुर्भाग्यपूर्ण था। भगदड़ से हुई मौतों, कई बार लगने वाली आग और उसके बाद फेल ट्रैफिक व्यवस्था ने श्रद्धालुओं की आस्था-श्रद्धा पर अवरोध पैदा किया और श्रद्धालु काफी परेशान हुए।

प्रयागराज में महाकुंभ में स्नान के दौरान भाजपा सरकार की बदइंतजामी के बीच मची भगदड़ में हुई तमाम मौतों ने देश को हिलाकर रख दिया है। इस भयावह हादसे ने

फोटो स्रोत : गूगल

भाजपा सरकार के दावों की धज्जियां उड़ा दी और साबित हो गया कि वह सिर्फ प्रचार में लगी हुई थी और उसने इंतजामों पर ध्यान ही नहीं दिया। अगर सरकार प्रचार पर जोर देने के बजाय इंतजामों पर फोकस करती तो तमाम लोगों की जान बचाई जा सकती थी। जबकि हादसे के बाद भी सरकार मौतों के आंकड़ों को छिपाने-मिटाने और झुठलाने पर जोर देती रही।

संगम क्षेत्र में मचे हाहाकार के बीच कितनेही लोग एक-दूसरे से बिछड़ गए और सरकार की ओर से बनाया गया खोया-पाया केंद्र भी उनकी मदद नहीं कर पा रहा था क्योंकि वहां आपदा की स्थिति से निपटने के लिए पहले से कोई व्यवस्था नहीं की गई थी, केवल केंद्र स्थापित कर दिया गया था। हालात इतने बेकाबू हो गए थे कि हर तरफ चीख-पुकार मची हुई थी। घायलों को भी अस्पताल पहुंचाने में देरी हुई।

महाकुंभ में भगदड़ की सूचना से पूरा देश स्तब्ध था और सरकार बिल्कुल मौन जिससे अंदेशा होने लगा कि ज्यादा मौतें हुई हैं इसलिए सरकार बोल नहीं रही है। ऐसी स्थिति में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सरकार की आलोचना के बजाय श्रद्धालुओं की मदद करने के लिए कई सुझाव सरकार को दिए। उन्होंने घायलों को हेलीकाप्टर के जरिये अस्पताल पहुंचाने को कहा और साथ ही खोया-पाया केंद्र को सेना के हवाले करने का सुझाव दिया पर अहंकार में डूबी सरकार ने इन बेहतरीन सुझावों पर अमल करने में अपनी तौहीन समझी।

बड़ा सवाल यह उठा कि महाकुंभ में अव्यवस्था मची क्यों? यूपी के मुख्यमंत्री ने पहले ही कह रखा था कि अनुमान है कि 40 से 50 करोड़ श्रद्धालु स्नान करेंगेलेकिन सरकार ने 100 करोड़ लोगों के स्नान के हिसाब से प्रबंध किए हैं। ऐसे में यहसवाल उठे कि जब 100 करोड़ के स्नान की व्यवस्था थी तो भगदड़ की नौबत क्यों आई। असल में सरकार ने महाकुंभ का प्रचार ज्यादा किया और व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया।

वह सिर्फ महाकुंभ में आने के लिए वीवीआईपी व वीआईपी लोगों को निमंत्रण देने, शहरों में होर्डिंग्स के जरिये प्रचार कर अपनी पीठ खुद ही थपथपाने में जुटी रही। नतीजा सबके सामने रहा कि वीआईपी को सुविधा देने के चक्कर में प्रशासन भी आम श्रद्धालुओं को भूल गया और उसे अव्यवस्थाओं से जूझने के लिए छोड़ दिया।

भगदड़ में मौतों के बाद भी भाजपा सरकार नहीं संभली। न उसने इस हादसे से कोई सबक लिया। आयोग और अधिकारियों की टीमें प्रयागराज भेजकर सरकार फिर प्रचार और विरोधियों को बेवजह घेरने में जुट गई जिसका नतीजा यह हुआ कि प्रयागराज जाने और आने वाले लंबे जाम में फंस गए। कई किमी तक लंबे जाम में फंसने की वजह से श्रद्धालु बेहाल हो गए।

हजारों लोग परिवार के साथ थे। उनके पास खाने-पीने का इंतजाम नहीं था। मोबाइल भी डिस्चार्ज हो चुके थे और उनका परिवारीजनों से संपर्क भी टूट गया। मोबाइल चार्ज न होने से वे किसी से मदद भी नहीं मांग सके। बच्चे भूख से बिलख उठे तो महिलाएं दिनचर्या से निपटने की जद्दोजहद से जूझी। सरकार ने जाम में फंसे लोगों को भी उनके हाल पर छोड़ दिया। जाम में फंसे लोगों तक न खाना पहुंचाया और न पानी। शौचालय के भी इंतजाम नहीं किए।

अब यह बिल्कुल साफ हो गया है कि भगदड़ से लेकर जाम तक की अव्यवस्था के लिए भाजपा सरकार ही जिम्मेदार रही और उसने प्रचार करने में ही वक्त ज़ाया किया। अधिकारियों-कर्मचारियों को भी वहां खान-पान आदि की व्यवस्था नहीं की जिससे वे भी सरकार से कुपित हुए।

महाकुंभ हादसा

सरकारी असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में 28 जनवरी को हुई भगदड़ में मौतों पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अव्यवस्था जन्य हादसे में श्रद्धालुओं के हताहत होने का समाचार बेहद दुःखद है। उन्होंने हादसे में आहत हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कितना दुःखद है, जब महाकुंभ में लोगों की लाशें पड़ी थीं, हजारों लोगों का रो-रो कर बुरा हाल था। लोग अपनों के लिए तड़प रहे थे, उस समय सरकार फूल बरसा रही थी। यह असंवेदनशीलता की ही पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि सरकार मौत के आंकड़े छिपा रही है कि मरने वालों को मुआवजा न देना पड़े। यह सरकार की संवेदनहीनता है और बेहद शर्मनाक है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब तो संत और धर्माचार्य भी महाकुंभ की अव्यवस्था और सरकार की झूठ पर खुल कर बोल रहे हैं। संत महात्मा भी मुख्यमंत्री जी के झूठ से दुःखी हैं। सभी लोग कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री जी झूठे हैं। सरकार झूठ बोल रही है।

सपा मुखिया ने कहा कि मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार ने आम जन का भरोसा खो दिया है। यह उनकी नैतिक हार है। जब संत-महात्मा भी उन्हें मुख्यमंत्री झूठे हैं तो मुख्यमंत्री की इससे बड़ी हार क्या हो सकती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नैतिक रूप से तो जा चुके है, अब राजनीतिक रूप से भी चले जाएंगे। महाकुंभ घटना पूरी तरह से सरकार की नाकामी है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने महाकुंभ का निमंत्रण बांटा था। दावा किया था कि 40 से 45 करोड़ लोग स्नान के लिए आएंगे और सरकार ने 100 करोड़ लोगों की व्यवस्था की है। अब सरकार बताए कि कहां गई उसकी विश्वस्तरीय व्यवस्था?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की तबाही, असुविधा के लिए भाजपा सरकार

जिम्मेदार है। महाकुंभ आने जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है उससे भाजपा सरकार बच नहीं सकती। सरकार ने महाकुंभ के लिए कोई इंतजाम नहीं किया।

श्री यादव ने कहा कि हालात पर क़ाबू पाने के लिए कोई ज़िम्मेदार मंत्री या व्यक्ति नहीं दिखाई दिया। मुख्यमंत्री तो पूरी तरह से नाकाम साबित हो ही चुके हैं साथ ही प्रयागराज से संबंधित उपमुख्यमंत्री और कई जाने माने मंत्री नदारद रहे जिन्हें जनता के बीच होना चाहिए था।

जो सिपाही, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी या सफ़ाईकर्मी दिनरात निष्ठापूर्वक भूखे-प्यासे डटे रहे, उनके भोजन पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कायदे से महाकुंभ के अवसर पर उत्तर प्रदेश में वाहनों को टोल फ्री किया जाना चाहिए था। इससे यात्रा की बाधा भी कम होती और जाम का संकट भी खत्म होता। उन्होने कहा कि अयोग्य लोग झूठा प्रचार कर सकते हैं, सुचारू व्यवस्था नहीं। लोग नहीं व्यवस्था अतिविशिष्ट होनी चाहिए। मेला क्षेत्र में वीआईपी लोगों के आने से वन-वे किए जाने की वजह से तीर्थयात्रियों को जो समस्या हुई, वह नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि असुविधाओं को उनकी आलोचना न समझा जाए बल्कि आस्थापूर्ण सुझाव है कि तीर्थयात्रियों की सुविधाओं के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किये जाने चाहिए थे। महाकुंभ का बजट 10 हजार करोड़ रूपये है। इस बजट में जो सुविधाएं होनी चाहिए थी वह सुविधाएं नहीं दिखीं।

संगम में अखिलेश

11 संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 26 जनवरी को प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर संगम में स्नान किया। सूर्य को अर्घ्य दिया और 11 संकल्पों के साथ 11 बार डुबकी लगाई।

श्री अखिलेश यादव ने बाद में कहा कि महाकुंभ की आस्था और परंपरा के तहत वह यहां स्नान करने आए हैं। इस मौके पर उनके सुपुत्र श्री अर्जुन यादव और पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे। इससे पूर्व श्री अखिलेश यादव ने हरिद्वार में भी गंगा स्नान किया।

श्री यादव ने कहा कि संगम में नदियों के मिलन स्थल पर महाकुंभ के अवसर पर संकल्प लेना चाहिए कि हमें जो जीवन मिला है वह अलग-अलग दिशाओं से आती हुई धाराओं के मिलन से ही अपना सही अर्थ और मायने पा सकता है। हमें संगम की तरह जीवन भर मेलजोल का सकारात्मक संदेश देना चाहिए। सद्भाव, सौहार्द और

सहनशीलता की त्रिवेणी का संगम जब-जब व्यक्ति के अंदर होगा तब-तब हम सब महाकुंभ का अनुभव करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने बताया कि उन्होंने महाकुंभ के पावन अवसर पर 'संगम' में एक डुबकी मां त्रिवेणी को प्रणाम की, एक डुबकी आत्म-ध्यान की, एक डुबकी सर्व कल्याण की, एक डुबकी सबके उत्थान की, एक डुबकी सबके मान की, एक डुबकी सबके सम्मान की, एक डुबकी सर्व समाधान की, एक डुबकी दर्द से निदान की, एक डुबकी प्रेम के आह्वान की, एक डुबकी देश के निर्माण की, एक डुबकी एकता के पैगाम की लगाई है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा वालों के लिए तो यही कहना है कि कुंभ में आएं तो सहनशीलता के साथ स्नान करें। यहां लोग पुण्य और दान के लिए आते हैं, वाटर स्पोर्ट्स के लिए नहीं। यहां जो व्यवस्था होनी चाहिए थी उसका 20 फीसदी भी काम नहीं हुआ। भाजपा सरकार ने पूज्य शंकराचार्य और अन्य प्रमुख साधु संतों के बजाय सरकार के मंत्रियों के ही पोस्टर लगा रखे हैं। आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमें याद है जिस समय समाजवादी पार्टी की सरकार थी, हमें महाकुंभ का आयोजन करने का मौका मिला था। हमारी सरकार और संबिंधित विभागों ने कम से कम संसाधन में महाकुंभ पर्व का बेहतर तरीके से आयोजन किया था। उस महाकुंभ के समय जो काम किया गया था उसका हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के दल ने भी अध्ययन किया था। वैसे तो कुंभ पर्व का पौराणिक वर्णन है परन्तु सम्राट हर्षवर्धन के समय से कुंभ में स्नान और दान करने का लिखित विवरण मिलता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि केन्द्र को उत्तर प्रदेश सरकार को और अधिक जन सुविधा के लिए धनराशि देनी चाहिए थी ताकि महाकुंभ पर्व की व्यवस्था और अच्छी हो। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए थी कि बुजुर्गों को दूर से सामान लेकर न आना पड़े। सभी श्रद्धालुओं और संतों, महात्माओं के लिए और अधिक सुविधाएं हो।

श्री यादव का कहना था कि कुंभ क्षेत्र में स्थित किला केन्द्र सरकार से उत्तर प्रदेश को मिलना चाहिए। यही अक्षयवट भी है। संगम में स्नान के बाद श्री अखिलेश यादव महाकुंभ में कई धार्मिक संस्थानों में भी गए। उन्होंने लेटे हुए हनुमान जी का दर्शन पूजन किया। हिमालय शंकराचार्य शिविर में जाकर ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से भेंट की। इससे पूर्व स्वयं शंकराचार्य जी ने श्री अखिलेश यादव को अपने रथ कैरावैन डीसी पर बैठाकर उन्हें सम्मान दिया। शिविर में हो रहे हवन में भी श्री यादव ने हिस्सा लिया।

वह, श्री थानाराम आश्रम, हरिद्वार के सतपाल ब्रह्मचारी जी से भी मिले। साथ ही उन्होंने मुलायम सिंह यादव स्मृति संस्थान द्वारा सेक्टर 16 में स्थापित नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसकी व्यवस्था श्री संदीप यादव देख रहे हैं। महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा में उन्होंने कौशल्यानंद गिरि से आशीर्वाद लिया। श्री यादव स्वामी अड़गड़ानंद आश्रम में भी गए वहां उन्हें यथार्थगीता भेंट की गई। इस्कॉन मंदिर में जाकर उन्होंने श्रीराधाकृष्ण के दर्शन किए तथा प्रसाद भी ग्रहण किया।

महाकुंभ

अखिलेश जी की गहरी आस्था

प्रयागराज महाकुंभ की यात्रा के माध्यम से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने भारतीय संस्कृति में लोक की परंपरा के प्रति अपने आदर भाव को प्रकट किया है।

प्रयागराज संगम में कुंभ का ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व है। गंगा, यमुना सरस्वती के संगम प्रयागराज में हर 12 वर्ष में कुंभ का आयोजन होता है। प्रयागराज में इस वर्ष 2025 में महाकुंभ का आयोजन हुआ।

इस महाकुंभ में देश में बाबा साहब के संविधान की स्थापना के ऐतिहासिक दिन गणतंत्र दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने पवित्र संगम पर आयोजित महाकुंभ में स्नान किया। श्री अखिलेश यादव के साथ उनके पुत्र अर्जुन यादव और इनपंक्तियों के लेखक पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे।

राजेन्द्र चौधरी

श्री अखिलेश यादव ने संगम स्नान के बाद महाकुंभ में आए हुए कई पूज्य संतों, शंकराचार्यों से मिलकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। महाकुंभ में कई धार्मिक संस्थानों में भी वे गए। हिमालय शंकराचार्य शिविर में जाकर ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी से भेंट की।

इससे पूर्व स्वयं शंकराचार्य जी ने श्री अखिलेश यादव को अपने रथ कैरावेन डीसी पर बैठाकर उन्हें सम्मान दिया। उनके शिविर में हो रहे हवन में भी श्री यादव ने हिस्सा

लिया। उन्होंने महाकुंभ मेला परिक्षेत्र में मुलायम सिंह यादव स्मृति संस्थान द्वारा सेक्टर 16 में स्थापित श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

महाकुंभ में संत परंपरा के महात्माओं से भेंट करने के पीछे भी उनकी दृष्टि मान्यताओं के मूल तत्त्व को समझने की रही है। साथ ही लोक की उस परंपरा का सम्मान करना है जो सदियों से उसी रूप में चली आ रही है। संगम परिक्षेत्र में तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु श्री यादव ने सरकार को सुझाव भी दिया जिससे आवागमन एवं दर्शन आसानी से हो सके।

एक श्रद्धालु के रूप में महाकुंभ मेले में भ्रमण कर विभिन्न संस्थाओं के लोगों से संवाद करते हुए श्री अखिलेश यादव ने जीवनदायिनी मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर सबके कल्याण की कामना की। महाकुंभ के पावन अवसर पर सूर्य को अर्घ्य देकर संगम में उन्होंने 11 डुबकी लगाकर देश की समृद्धि और लोगों के स्वास्थ्य, तरक्की, लोक कल्याण की कामना की।

11 डुबकियों के साथ पवित्र स्नान में क्रमशः एक डुबकी मां त्रिवेणी को प्रणाम, एक डुबकी आत्म-ध्यान की, एक डुबकी सर्व कल्याण की, एक डुबकी सबके उत्थान की, एक डुबकी सबके मान की, एक डुबकी सबके सम्मान की, एक डुबकी सर्व समाधान की, एक डुबकी दर्द से निदान की, एक डुबकी प्रेम के आह्वान की, एक डुबकी देश के निर्माण की, एक डुबकी एकता के पैगाम के साथ लगाई।

सन् 2013 में श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके नेतृत्व में कुंभ आयोजित करने का महान अवसर प्राप्त

हुआ था। तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व और नगर विकास मंत्री रहे मोहम्मद आजम खां साहब की देखरेख में कुंभ का शानदार आयोजन हुआ था। उस समय भी श्री अखिलेश यादव ने महाकुंभ में डुबकी लगाकर लोक कल्याण की कामना की थी।

श्री अखिलेश यादव ने महाकुंभ की यात्रा के दौरान आम जन से संवाद के क्रम में जिन समस्याओं को महसूस किया उनके समाधान हेतु सरकार से अनुरोध भी किया। उन्होंने इंगित सुझावों को लेकर स्पष्ट किया कि इसे आलोचना न समझा जाए बल्कि महाकुंभ प्रशासन को इन पर अमल करना चाहिए लेकिन आत्ममुग्धता की शिकार भाजपा सरकार ने हवाहवाई निर्णय करते हुए करोड़ों श्रद्धालुओं की तीर्थयात्रा को कष्टकारक बना दिया जिसका परिणाम मौनी अमावस्या की दुःखद घटना के रूप में सामने आया।

श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्व काल की तत्कालीन समाजवादी सरकार में सन् 2013 में आयोजित महाकुंभ आयोजन की व्यवस्था को आधार मानकर मौजूदा शासन-प्रशासन को तैयारी करनी चाहिए थी।

उस महाकुंभ की व्यवस्थाओं की साधु, संतों, महंतों और धर्माचार्यों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की थी। उस भव्य और शानदार महाकुंभ के आयोजन में सुविधाओं और भीड़ मैनेजमेंट की सराहना पूरे विश्व में हुई थी।

विश्वविख्यात हावर्ड विश्वविद्यालय ने अपने दल के साथ महाकुंभ का अध्ययन और शोध किया। महाकुंभ 2013 के आयोजन प्रबंधन की सराहना हावर्ड विश्वविद्यालय ने की थी। हावर्ड विश्वविद्यालय के साउथ एशिया इंस्टीट्यूट (एसएपी) मैपिंग द कुंभ मेला नामक एक बहुवर्षीय शोध परियोजना के अंतर्गत "कुंभ मेला एक क्षणिक महानगर का प्रतिचित्रण" पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुआ।

सन् 2013 में श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके नेतृत्व में कुंभ आयोजित करने का महान अवसर प्राप्त हुआ था। श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व और नगर विकास मंत्री रहे मोहम्मद आजम खां साहब की देखरेख में कुंभ का शानदार आयोजन हुआ था

इसमें कुंभ मेले को एक केंद्रीय परियोजना के रूप में देखा गया। जुलाई 2012 से लेकर फरवरी 2013 तक की सभी बैठकों एवं आयोजन से जुड़े बिंदुओं पर इसमें समग्रता से अध्ययन है। साथ ही लोक स्वास्थ्य, आंकड़ा विज्ञान, भीड़ प्रबंधन, धर्म संस्कृति, नगर योजना, व्यवसाय, स्वच्छता को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। मौजूदा महाकुंभ प्रशासन श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्व काल की उस प्रबंधन व्यवस्था पर अमल करता तो इससे तीर्थयात्रियों को सहूलियत के साथ प्रबंधन में लुटियों से बचा जा सकता था।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव देश के बिरले राजनीतिज्ञ हैं जिन्होंने जन भावनाओं से जुड़े आयोजनों को प्राथमिकता दी है। महाकुंभ के प्रति उनके जुड़ाव और आयोजन में शामिल होने के पीछे जनता की मनःस्थिति को समझते हुए उनके साथ सक्रिय रूप से सहभागी होना है।

श्री यादव ने केंद्र से मांग की कि उत्तर प्रदेश सरकार को उससे अधिक जनसुविधा के लिए धनराशि देनी चाहिए ताकि महाकुंभ पर्व की व्यवस्था ज्यादा बेहतर हो सके। बुजुर्गों को दूर से सामान लेकर न आना पड़े। सभी श्रद्धालुओं और संतों, महात्माओं के लिए अधिक सुविधाएं हो। उन्होंने केंद्र से यह भी मांग की कि कुंभ क्षेत्र में स्थित किला को उत्तर प्रदेश सरकार को दे देना चाहिए। यहां अक्षयवट भी है।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने महाकुंभ की पुण्य-यात्रा के क्रम में ठीक ही कहा कि महाकुंभ 144 साल में एक बार आता है, वो भी संगम के किनारे ही, मतलब जीवन में एक बार और वह भी नदियों के मिलन स्थल पर, इसीलिए इससे ये संकल्प लेना चाहिए कि हमें जो जीवन मिला है वह अलग-अलग दिशाओं से आती हुई धाराओं के मिलन से ही अपना सही अर्थ और मायने पा सकता है।

हमें संगम की तरह जीवन भर मेलजोल का सकारात्मक संदेश देना चाहिए। सद्भाव, सौहार्द और सहनशीलता की त्रिवेणी का संगम जब-जब व्यक्ति के अंदर होगा, तब-तब हम सब महाकुंभ का अनुभव करेंगे।

(लेखक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री हैं)

दिल्ली में भाजपा विरोध का प्रमुख चेहरा बने अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

जनहित के मुद्दों पर भाजपा से मुकाबला करने में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का कोई सानी नहीं है। देश और खासतौर पर उत्तर प्रदेश में अगर कोई भाजपा से डटकर मुकाबला कर रहा है तो वह श्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी ही है। दिल्ली में भाजपा का विरोध करना हो या फिर उत्तर प्रदेश में, श्री अखिलेश यादव प्रमुख रूप से नजर आते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी श्री अखिलेश यादव भाजपा का डटकर सामना कर रहे हैं।

भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की बात हो या फिर अमेरिका से भारतीयों को बेड़ियों में जकड़कर भिजवाने का मामला, श्री अखिलेश यादव ने हमेशा अगुआई की है। लोकसभा चुनाव से पहले जब इंडिया गठबंधन की कवायद शुरू हुई तब से अब तक श्री अखिलेश यादव विपक्ष का प्रमुख चेहरा रहे हैं।

बात जब भाजपा विरोध की आती है तो श्री

अखिलेश यादव खुद तो विरोध-प्रदर्शन करते ही हैं, विपक्ष के साथ भी मजबूती से खड़े होते हैं। 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को जब अमेरिका ने बेड़ियों में जकड़कर अ अमेरिकी सैन्य विमान से भारत भेजा तो श्री अखिलेश यादव ने इसे अमानवीय करार देते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इंडिया गठबंधन ने जब संसद भवन पर इस कृत्य के खिलाफ प्रदर्शन का फैसला किया तो श्री अखिलेश यादव प्रमुख चेहरा बनकर सामने आए।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन की अगुआई की। विपक्षी सांसदों ने पोस्टर और हथकड़ी लगाकर प्रदर्शन किया। संसद में भी विपक्षी सांसदों ने सरकार को घेरा। समाजवादी पार्टी ने भी नियम 267 के तहत स्थगन नोटिस सदन में दिया मगर उसे खारिज कर दिया गया। इसपर श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के सांसदों ने कड़ा प्रतिवाद किया। श्री अखिलेश यादव ने साफ तौर पर कहा कि हम चाहते हैं कि सरकार इस पर जवाब दे।

भाजपा से मुकाबला करने वालों का साथ देने में भी श्री अखिलेश यादव कभी पीछे नहीं रहे। 6 फरवरी को जब डीएमके छात्र इकाई द्वारा केन्द्र सरकार की नई शिक्षा नीति के खिलाफ दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना आयोजित किया गया तो श्री अखिलेश यादव समर्थन में वहां पहुंचे और उन्होंने धरना को संबोधित करते हुए भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी, केन्द्र की भाजपा सरकार की नई शिक्षा नीति कानून के खिलाफ है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी, पूरी तरह से डीएमके छात्र इकाई के नई शिक्षा नीति के खिलाफ आंदोलन में साथ है। समाजवादी पार्टी के सभी सांसद, विधायक नई शिक्षा नीति के विरोध में हैं क्योंकि नई शिक्षा नीति उद्योगपतियों के लाभ के लिए बनाई गई है और शिक्षा व्यवस्था को उद्योगपतियों के हाथों में सौंपने का षड्यंत्र है। भाजपा सरकार में कुलपतियों की नियुक्तियां किस तरह से हो रही है सब लोग देख रहे हैं।

उन्होंने अंदेशा जाहिर किया कि नई शिक्षा नीति राजनीति और राजनेताओं को उद्योगपतियों का नौकर बना देगी। हम लोग कभी भी नई शिक्षा नीति का समर्थन नहीं कर सकते हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम नई शिक्षा नीति के खिलाफ तमिलनाडु से आए डीएमके के सभी नेताओं, छात्रों, कार्यकर्ताओं को बधाई देते हैं, उनका समर्थन करते हैं। यहां से जो भी फैसला किया जाएगा उसका संदेश सिर्फ तमिलनाडु ही नहीं पूरे देश में जाएगा। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी और उत्तर भारत के छात्र भी डीएमके की छात्र इकाई के अभियान का समर्थन करेंगे। हम भाजपा की नई शिक्षा नीति के खिलाफ है और वापस लेने की मांग करते हैं।

श्री अखिलेश यादव की राष्ट्रीय मुद्दों पर मजबूत पहलकदमी के कारण ही अब यह स्थापित हो चुका है कि भाजपा से मुकाबला करने का माद्दा श्री अखिलेश यादव और उनकी समाजवादी पार्टी में ही है। आम जनता खासतौर पर पीडीए को यह अटूट विश्वास हो चुका है कि भाजपा के चंगुल से देश-प्रदेश को श्री अखिलेश यादव ही निकाल सकते हैं। यही वजह है कि पीडीए 2027 में श्री अखिलेश यादव की सरकार लाने के लिए कमर कस चुका है।

अखिलेश ने सदन में सरकार को आईना दिखाया

फोटो क्रेडिट : गूगल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी संसदीय दल के नेता व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा सरकार को तमाम मुद्दों पर आईना दिखाया।

श्री अखिलेश यादव ने महाकुंभ हादसे से लेकर किसान, रोजगार, अर्थव्यवस्था, चीन सीमा से लेकर जातीय जनगणना पर बेबाकी से अपनी राय रखी।

4 फरवरी को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ में मृतकों की संख्या को छिपाने का काम किया है। मृतकों के परिजन भटक रहे है। सरकार कोई जानकारी नहीं दे रही है। महाकुंभ में लोग पुण्य कमाने आए थे लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार की लापरवाही के कारण अपनों के शव लेकर गए हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में पहले की तरह वही पुरानी बातें हैं। कुछ नया नहीं है। सरकार राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल की बात करती है लेकिन अगर एक भी मिलिट्री स्कूल खोला हो तो बताएं। इस सरकार का ईज ऑफ डूंइग सिर्फ अपनी इमेज चमकाने और दूसरों की इमेज खराब करने के लिए है। देश के राज्यों में जब इन्वेस्टर मीट होते हैं तो प्रधानमंत्री जी समेत तमाम केन्द्रीय मंत्री जाते हैं। उत्तर प्रदेश में हुए इन्वेस्टर मीट सिर्फ दिखावा साबित हुए हैं। सरकार बताए कि यूपी में जिस 40 लाख करोड़ रुपये के एमओयू होने का दावा किया गया था उनमें कितने जमीन पर उतरे हैं।

श्री यादव ने कहा कि ऐसा लगता है उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार टकरा रही है। उसमें जनता पिस रही है। प्रधानमंत्री जी ने जिस काशी को क्योटो बनाने का सपना दिखाया था वहां अभी तक मेट्रो रेल की शुरूआत नहीं हुई। उत्तर प्रदेश सरकार में इस समय जितनी मेट्रो रेल चल रही है सब समाजवादी सरकार की देन है।

लखनऊ, कानपुर, अन्य शहरों और दिल्ली को जोड़ने वाली ग्रेटर नोएडा की मेट्रो समाजवादी पार्टी की सरकार में बनी है। जो लोग दिल्ली में मेट्रो बना रहे हैं वे वाराणसी में मेट्रो क्यों नहीं बना रहे हैं। सरकार बताए कि

विभिन्न योजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण के लिए किसानों को क्या मिल रहा है। सरकार किसानों को उनकी जमीनों के बदले क्या दे रही है।

समाजवादी सरकार में हमने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के लिए जमीनों का अधिग्रहण किया था, उसमें किसानों को ज्यादा मुआवजा दिया गया था। देश का सबसे अच्छा एक्सप्रेस-वे बनाया। उसके उद्घाटन में लड़ाकू विमान उतारे गए। सरकार जमीनों के अधिग्रहण के बदले किसानों को अच्छा मुआवजा दे।

इस सरकार ने किसानों को सपने दिखाए लेकिन आय दोगुना नहीं हई। नदियों को जोड़ने की परियोजना में जिन किसानों की जमीन जा रही हैं सरकार कंजूसी करने के बजाय अच्छा मुआवजा दे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार सोलर योजना की बात करती है। वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश सरकार ने समाजवादी सरकार में शुरू हुई सोलर परियोजनाओं का मेंटेनेंस रोक दिया।

कन्नौज में समाजवादी सरकार के समय पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने सोलर गांव का उद्घाटन किया था। उस गांव में लोग लाइट, चक्की, सिंचाई के लिए सोलर एनर्जी का प्रयोग करते थे लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद सब बंद हो गया।

श्री अखिलेश यादव ने जातिगत जनगणना को देश के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान के तहत हम सब लोगों का हक, अधिकार मिला है। संविधान में आरक्षण की व्यवस्था है, उस व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी को सामाजिक न्याय और हक दिलाने के लिए जातिगत जनगणना आवश्यक है। समाजवादी पार्टी जातिगत जनगणना की लड़ाई में सबसे आगे है। अब जातिगत जनगणना को कोई नहीं रोक पाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ में इंतजाम करने के बजाय प्रचार-प्रसार का काम होता रहा। डबल इंजन की सरकार द्वारा एक धार्मिक आयोजन में अपना प्रचार करना अशोभनीय और निन्दनीय है

महाकुंभ हादसे पर यूपी सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि यह कहां की सनातन परम्परा है, जहां लाशें पड़ी हों, वहां फूल गिराये गये। यह सरकार की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। उत्तर प्रदेश सरकार पूरी घटना मृतकों की संख्या, घायलों की संख्या छिपाने में लगी रही। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री घटना को छिपाने और झूठ बोलने में लगे रहे हैं। उन्होंने शोक तक प्रकट नहीं किया। जब राष्ट्रपति जी और प्रधानमंत्री जी ने शोक प्रकट कर दिया तो घटना के 17 घंटे बाद मुख्यमंत्री जी ने भगदड़ को स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में बहुत सारे आंकड़े दिए गए हैं। केन्द्र सरकार महाकुंभ में मरने वालों के भी आंकड़े दे दे। महाकुंभ की व्यवस्था की जानकारी और आंकड़े देने के लिए केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाए। महाकुंभ आपदा प्रबन्धन और खोया-पाया केन्द्र की जिम्मेदारी सेना को दी जाए।

महाकुंभ हादसे के शिकार मृतकों, घायलों के इलाज, महाकुंभ में भोजन, पानी, प्रबंधन का आंकड़ा संसद में पेश किया जाए। महाकुंभ हादसे के जिम्मेदार और सच छिपाने वाले लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ में इंतजाम करने के बजाय प्रचार-प्रसार का काम होता रहा। डबल इंजन की सरकार द्वारा एक धार्मिक आयोजन में अपना प्रचार करना अशोभनीय और निन्दनीय है। इतने बड़े हादसे के बाद कम से कम अब तो प्रचार की होर्डिंग हटा देनी चाहिए।

सरकार का दावा था कि डिजिटल कुंभ करा रही है लेकिन वही सरकार मृतकों की डिजिट (संख्या) नहीं बता पा रही है ।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में सतयुग से लेकर कलयुग तक सनातन परम्परा रही है कि संत, महात्मा, धर्माचार्य मुहूर्त के अनुसार शाही स्नान करते हैं। नक्षत्रों के अनुसार जो संयोग बनता है वही मुहूर्त ही शाही स्नान का होता है लेकिन भाजपा राज में सनातन परम्परा टूट गई। हादसे के बाद पहले सरकार ने संत समाज को शाही स्नान रद्द करने का आदेश दिया जिससे अनादि काल की सनातन परम्परा टूटी।

जब देशभर में यह बात उठी तो सरकार ने हादसे को छिपाकर शाही स्नान का आदेश दिया। बात दिन या तिथि की नहीं होती है बल्कि निश्चित मुहूर्त काल की होती है। भाजपा सरकार ने ये सनातन परम्परा तोड़कर अच्छा नहीं किया।

बजट में पीडीए के उत्थान के लिए कुछ नहीं

-अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह टार्गेटेड बजट है। फोकस है उनपर जो सम्पन्न हैं, पूंजीपति हैं। इस बजट में विकसित भारत का कोई रोड मैप नहीं दिख रहा है। बजट में पीडीए के उत्थान के लिए कुछ नहीं है। सरकार बताए कि देश की जीडीपी क्यों गिर रही है। रुपया डॉलर के मुकाबले क्यों गिर रहा है। ग्रोथ रेट कम हो रहा है। ग्रोथ रेट कम होने का कारण निवेश और उपभोग की कमी है।

11 फरवरी को बजट पर लोकसभा में वक्तव्य देते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार डिजिटल इंडिया का बहुत प्रचार कर रही थी। डिजिटल अरेस्ट की घटनाएं बहुत बढ़ गयी हैं। डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से लाखों करोड़ों रूपये लूटा जा रहा है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? डिजिटल इंडिया करते-करते साइबर अपराध कितना बढ़ गया। देश में भेदभाव बढ़ता जा रहा है। मुठ्ठीभर लोगों के पास पूरे देश की संपदा पहुंच गई। देश में ज्यादा लोग गरीब है। उनके जीवन यापन के लिए 80 करोड़ लोगों को राशन बांटना पड़ रहा है। क्या यही विकसित भारत की तस्वीर है। सरकार बताए कि जिन परिवारों को राशन दे रहे हैं उनकी पर कैप्टिल इनकम क्या है।

उन्होंने कहा कि आज तक किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। किसान आंदोलन कर रहे हैं। सरकार के पास किसान की आय दोगुनी करने का कोई रोड मैप नहीं। एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर हजारों किसानों की जान चली गई लेकिन आज भी एमएसपी की गारंटी नहीं मिल पाई। किसानों को स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार मदद नहीं दे रहे हैं। दलहन, तिलहन को बढ़ावा देने का मिशन अधूरा है। अभी तक दलहन तिलहन आयात करना पड़ रहा है।

श्री यादव ने कहा कि सौ जिलों के लिए घोषित प्रधानमंत्री धन धान्य योजना के लिए बजट नहीं है। किसानों की खराब आर्थिक स्थिति बता रही है कि हमारा किसान गरीब है। सरकार ने फसल बीमा योजना का बहुत प्रचार किया लेकिन आंकड़े बताते हैं कि क्लेम 3 फीसदी से ज्यादा नहीं पहुंच पाया। कर्ज के कारण किसान आत्महत्या कर रहा है। देश में कर्ज से दबे लाखों किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हैं। किसानों का कर्ज माफ होना चाहिए। उन्हें कर्ज से मुक्ति दिलाना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों के

जितने कृषि यंत्र हैं उन पर 18 फीसदी जीएसटी लिया जा रहा है। अगर विकसित भारत बनाना है तो कृषि यंत्रों पर जीएसटी जीरो होना चाहिए। किसान को फसल का सही दाम दिलवाना और उसके लिए बीज खाद, पानी का इंतजाम करना, किसान की फसल को आवारा पशुओं से बचाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में किसानों से आवारा पशुओं की समस्या एक सप्ताह में हल करने का वादा किया था लेकिन आज भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों की फसलों को बचाना सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। इस मामले में जुमलेबाजी और झूठे वादे सही नहीं हैं। आलू फसल से कई उद्योगपति मुनाफा कमा रहे हैं। कंपनियों को लाभ हो रहा है लेकिन आलू किसानों को कोई फायदा नहीं हो रहा है। किसान का आंदोलित होना, सरकार की विफलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। किसानों के हिस्से में काले कानून नहीं आना चाहिए लेकिन सरकार काले कानून लाकर किसानों को अपमानित करना चाहती है।

श्री यादव ने कहा कि सरकार दावा करती है कि अर्थव्यवस्था दुनिया में तीसरी नंबर की बनने वाली है लेकिन नौजवानों के लिए नौकरी और रोजगार नहीं है। जब तक निवेश के वातावरण में सुधार नहीं होगा तब तक मैन्युफैक्चरिंग मिशन आगे नहीं बढ़ सकता है। बजट में एमएसएमई को विकास का दूसरा इंजन बताया जा रहा है लेकिन एसएसएमई के लिए बजट की व्यवस्था नहीं है। इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा रोजगार मिलता है लेकिन एसएसएमई की माइक्रो यूनिट के लिए कोई योजना नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे भाजपा सरकार में आयी है महंगाई बढ़ती जा रही है। महंगाई ऐसी समस्या बनकर उभरी है, जिसने हर वर्ग को गरीब बना दिया है। महंगाई बढ़ने का बहुत बड़ा कारण सत्ता

श्री यादव ने कहा कि सरकार दावा करती है कि अर्थव्यवस्था दुनिया में तीसरी नंबर की बनने वाली है लेकिन नौजवानों के लिए नौकरी और रोजगार नहीं है। जब तक निवेश के वातावरण में सुधार नहीं होगा तब तक मैन्युफैक्चरिंग मिशन आगे नहीं बढ़ सकता है

में बैठे लोगों का कम्पनियों से बड़े पैमाने पर चुनावी चंदा उगाही है। देश की आर्थिक हालत यह है कि शेयर बाजार विदेशी निवेशकों पर निर्भर है। जब वे पैसा लगाते हैं तो उछाल आता है। नहीं तो धड़ाम हो जाता है। इससे निवेशकों का लाखों करोड़ का नुकसान हो जाता है।

इसका बड़ा शिकार देश की युवा पीढ़ी हो रही है, जो देखादेखी में पैसा लगा देती है लेकिन शेयर के बिचौलियों की गहरी चाल नहीं समझ पाती। सरकार की जिम्मेदारी है कि यह खेल बंद कराये। इस सरकार में पलायन को लेकर विरोधाभासी स्थिति है। एक तरफ अमीर लोग, ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए दूसरे देशों में निवेश के लिए जा रहे है वहीं गरीब अपनी श्रम शक्ति लेकर दूसरे राज्यों में जा रहे हैं। पलायन कर रहे है। यूपी इसका सबसे बड़ा शिकार है।

यूपी में नौकरी और अवसरों की भारी कमी है। यूपी का विकास जमीन पर नहीं सिर्फ टीवी, अखबारों, विज्ञापन में दिखता है। सबका विकास का नारा सबका विनाश में बदल गया है। भाजपा सरकार और इसके नेताओं ने युवा पीढ़ी को हताश और निराश करने का पाप किया है। युवाओं को डिलेवरी पर्सन बना दिया गया है।

श्री यादव ने कहा कि बजट में जिन छह क्षेत्रों की बात कही गई है। उनमें से कराधान तब तक सफल नहीं होगा जब तक सरल, पारदर्शी और ईमानदार नहीं बनाया जाएगा। जब तक विद्युत निजी हाथों में रहेगा तब तक मनमानी वसूली नहीं रोकी जा सकेगी।

शहरी विकास के नाम पर जब तक जमीनों को कुछ धनवानों के हाथों में कौड़ियों के भाव बेचने का खेल खत्म नहीं किया जाएगा। खनन के नाम पर जब तक जल, जंगल, जमीन, की हकमारी रोकी नहीं जाएगी। जब तक निष्पक्ष होकर वित्तीय क्षेत्र की अनियमितता नहीं मिटाई जाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने वक्तव्य के अंत में कहा-

असली तरक्की है वही जो हर फर्क मिटाती है।

जो हर तरफ खुशहाली के गुलशन खिलाती है।

गांव-गांव, बूथ-बूथ PDA पंचायत

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ पार्टी ने 27 जनवरी से पूरे प्रदेश में गांव-गांव, बूथ-बूथ P D A पंचायत शुरू की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर हो रहे इस अभियान में सांसद, विधायक, पदाधिकारी व कार्यकर्ता बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। पीडीए पंचायत का यह सिलसिला अनवरत जारी रहेगा।

पंचायत में समाजवादी साथी पीडीए को एकजुट करने, जागरुक करने के साथ बता रहे हैं कि भाजपा ने किस तरह संविधान निर्माता बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर का अपमान करते हुए तिरस्कारपूर्ण बयान दिया और किस तरह बाबा साहब के दिए आरक्षण को समाप्त करने की साजिशें कर रही है। पीडीए पंचायत को आमजन का व्यापक समर्थन मिल रहा है और पीडीए समाज को भरोसा है गया है कि श्री अखिलेश यादव ही उनकी सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक जीवनशैली को बदलने में सक्षम हैं क्योंकि उनका नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है और वह पीडीए को उसकी आबादी के अनुपात में अधिकार दिलाने के लिए अनवरत संघर्षरत हैं।

श्री अखिलेश यादव ने अपील की है कि सब मिलकर देश का संविधान और बाबा साहेब का मान व आरक्षण बचाएं और अपने सुनहरे, नए भविष्य के लिए एकजुट हो जाएं।

श्री अखिलेश यादव की इस अपील को लेकर समाजवादी साथी गांव-गांव और बूथ-बूथ पर पहुंचकर PDA पंचायत कर रहे हैं और उन्हें श्री यादव का संदेश बता रहे हैं। पीडीए समाज को बताया जा रहा है कि यह वक्त की मांग है कि संविधान, आरक्षण बचाने और आबादी के हिसाब से अधिकार पाने के लिए एकजुट होकर समाजवादी सरकार बनाई जाए ताकि पीडीए समाज खुशहाल हो सके।

श्री अखिलेश यादव ने घर-घर PDA पर्चा पहुंचाने की अपील करते हुए कहा है कि

प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों के लिए बाबा साहब सदैव से एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने संविधान बनाकर शोषणात्मक-नकारात्मक प्रभुत्ववादी सोच पर पाबंदी लगाई थी। इसलिए ये प्रभुत्ववादी हमेशा से बाबा साहब के खिलाफ रहे हैं और समय-समय पर उनके अपमान के लिए तिरस्कारपूर्ण बयान देते रहे हैं।

प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों ने कभी भी बाबा साहब के सबकी बराबरी के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया क्योंकि ऐसा करने से समाज एक समान भूमि पर बैठा दिखता जबकि प्रभुत्ववादी और उनके संगी-साथी चाहते थे कि उन जैसे जो सामंती लोग सदियों से सत्ता और धन पर कब्जा करके सदैव ऊपर रहे हैं वे हमेशा ऊपर ही रहें और पीडीए समाज के लोग लोग शोषित, वंचित, पीड़ित हैं वे सब सामाजिक सोपान पर हमेशा नीचे ही रहें।

सपा मुखिया ने कहा कि बाबा साहब ने इस व्यवस्था को तोड़ने के लिए शुरू से आवाज ही नहीं उठाई बल्कि जब देश आजाद हुआ तो संविधान बनाकर उत्पीड़ित पीडीए समाज की रक्षा का कवच के रूप में दिया।

उन्होंने कहा कि आज के प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों के वैचारिक पूर्वजों ने बाबा साहब के बनाए संविधान को अभारतीय भी कहा और उसे सभ्यता के विरुद्ध भी बताया क्योंकि संविधान ने उनकी परंपरागत सत्ता को चुनौती दी थी और देश की 90 प्रतिशत वंचित आबादी को आरक्षण के माध्यम से हक और अधिकार दिलवाया था, साथ ही उनमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास की स्थापना भी की थी।

प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथी सदैव

आरक्षण के विरोधी रहे हैं। सदियों की पीड़ा और आरक्षण दोनों ही पीडीए को एकसूत्र करते हैं, चूंकि बाबा साहब संविधान और सामाजिक न्याय के सूत्रधार थे इसलिए ऐसे प्रभुत्ववादी नकारात्मक लोगों को बाबा साहब हमेशा अखरते थे।

बाबा साहब ने हर एक इंसान को एक मानव के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने के लिए आंदोलन में हिस्सा लेने की बात कही भी ओर खुद करके भी दिखाया व तथाकथित उच्च जाति और सामंती शोषण को साहसपूर्ण चुनौती भी दी।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब ही आत्म सम्मान के प्रेरणास्रोत रहे इसलिए प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथी हर बार बाबा साहब और उनके बनाए संविधान के अपमान-तिरस्कार की साजिश रचते रहते हैं जिससे कि PDA समाज मानसिक रूप से हतोत्साहित हो जाए और अपने अधिकार के लिए कोई आंदोलन न कर पाये।

जब कभी ये बात समझ कर पीडीए समाज आक्रोशित होता है, तो सत्ताकामी ये प्रभुत्ववादी और उनके संगी-साथी दिखावटी माफी का नाटक भी रचते हैं।

उन्होंने कहा कि अपमान की इस प्रथा को तोड़ने के लिए अब पीडीए समाज के हर युवक, युवती, महिला, पुरूष ने ये ठान लिया है कि वे सामाजिक एकजुटता से राजनीतिक शक्ति प्राप्त करके अपनी सरकार बनाएंगे और बाबा साहब और उनके संविधान को अपमानित और खारिज करने वालों को हमेशा के लिए सत्ता से हटा देंगे और जो प्रभुत्ववादी और उनके संगी-साथी संविधान की समीक्षा के नाम पर आरक्षण को हटाने मतलब नौकरी में आरक्षण का हक मारने का बार-बार षडयंत्र रचते हैं, उन्हें ही हटा देंगे। उसके बाद ही जाति जनगणना हो सकेगी और पीडीए समाज को उनकी गिनती के हिसाब से उनका हक और समाज में उनकी भागीदारी के अनुपात में सही हिस्सा मिल पायेगा। धन का सही वितरण भी तभी हो पाएगा। हर हाथ में पैसा आएगा। हर कोई सम्मान के साथ सिर उठाकर जी पाएगा और अपने जीवन में खुशियां और खुशहाली को महसूस कर पाएगा। सदियों से पीडीए समाज के जिन चेहरों पर अपमान, उत्पीड़न, दुःख और दर्द रहा है, उन चेहरों पर उज्ज्वल भविष्य की मुस्कान आएगी और फिर उनके घर परिवार बच्चों के लिए सम्मान से जीने की नयी राह खुल जाएगी।

P D A पंचायत को मिलते व्यापक जनसमर्थन से यह तय हो गया है कि 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनने जा रही है और तब पीडीए समाज के विकास की एक नई इबारत लिखी जाएगी।

सपा में शामिल होने का सिलसिला जारी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व और समाजवादी विचारधारा में आस्था रखने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। श्री अखिलेश यादव की अपील पर पीडीए से जुड़ने की मुहिम तेज हुई है और दूसरे दलों के नेता-कार्यकर्ता निरंतर समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

दूसरे दलों में ऐसे तमाम प्रमुख नेता और कार्यकर्ता हैं जो लगातार समाजवादी पार्टी में शामिल होना चाह रहे हैं। जिस तरह समाजवादी पार्टी में समाज के सभी तबके शामिल हो रहे हैं, उससे तय हो गया कि श्री अखिलेश यादव की लोकप्रियता में तेजी से इजाफा हो रहा है और समाज चाहता है कि यूपी की बागडोर फिर उन्हें सौंपी जाए क्योंकि वही एकमात्र नेता हैं जो पीडीए को न्याय दिलाने के साथ सर्वसमाज का भला करने की कूवत रखते हैं।

श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए 22 जनवरी को विधायक त्रिभुवन दत्त के साथ भेंटकर रामपुर और सहारनपुर जनपदों के बसपा के कई प्रमुख नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

बसपा के इन प्रमुख नेताओं को सदस्यता ग्रहण कराने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उनका स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि इन साथियों के आने से समाजवादी पार्टी को और मजबूती मिलेगी। बसपा से आए साथियों ने श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव में उन्हें पुनः मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

जिन लोगों ने श्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी में आस्था व्यक्त की है उनमें रामपुर के श्री सुरेन्द्र सिंह सागर जैसे बसपा के कद्दावर नेता शामिल हैं। सुरेंद्र सागर, सुश्री मायावती जी के मंत्रिमंडल में राज्य मंत्री थे। वह उत्तराखण्ड के प्रदेश प्रभारी तथा मिलक सुरक्षित क्षेत्र से प्रत्याशी रहे।

उनके साथ मौलाना फुरकान राजा, नावेद हुसैन कुरैशी, जीतेन्द्र बाबू सागर, अशोक सागर, रामबृक्ष पाल, सतीश दिवाकर, राकेश पला, रिजवान अली, डॉ मकतूब अली, फिरासत अली, जगदीश पाल, नदीम अंसारी, अंकुर सागर तथा मनोज पांडेय ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इसके अलावा सहारनपुर के श्री अब्दुल मन्नान खां एवं मोहम्मद अशरफ, मैनपुरी के डॉ राजपाल एवं श्री शिवम शाक्य, आगरा के डॉ सूनो, श्री अनुज कुमार एवं श्री वंशराज सेंगर ने भी बसपा की सदस्यता छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली।

जनेश्वर जी ने दिखाया संघर्ष का रास्ता

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी चिंतक व पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर 22 जनवरी को समाजवादियों ने उन्हें शिद्दत से याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। राजधानी लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में में जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि मनाई गई।

लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम गोमतीनगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में हुआ।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जनेश्वर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि देकर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पंडित जनेश्वर मिश्र जी समाजवादी आंदोलन के बड़े नेता थे। वह सादगी के प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने हमेशा नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव का साथ देते हुए समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का काम किया।जनेश्वर मिश्र जी ने

समाजवादियों को संघर्ष का रास्ता दिखाया। अगर वे आज होते तो पीडीए की लड़ाई में सबसे आगे दिखाई देते।

श्री अखिलेश यादव के साथ जनेश्वर मिश्र पार्क में जनेश्वर मिश्र की बेटी श्रीमती मीना तिवारी एवं उनके परिवार के विश्वभूषण तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी के साथ राहुल सिंह एवं सोनू यादव ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

जनेश्वर मिश्र पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नफरत की राजनीति करती है। नफरत बढ़ाने वाले फैसले ले रही है। भाजपा वक्फ की जमीन पर कब्जा करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान की मंशा है कि हम सभी धर्मों का सम्मान करें। देश में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट लागू है लेकिन भाजपा नफरत पैदा करने के लिए कोई न कोई काम करती रहती है। भाजपा बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी से ध्यान हटाने और नफरत फैलाने वाले मुद्दों को लेकर सामने आती है।

जनेश्वर मिश्र जी समाजवादी आंदोलन के बड़े नेता थे। वह सादगी के प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने हमेशा नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव का साथ देते हुए समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का काम किया। जनेश्वर मिश्र जी ने समाजवादियों को संघर्ष का रास्ता दिखाया

नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडे, पूर्व नेता विरोधी दल राम गोविंद चौधरी, राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, सांसद सनातन पांडे, पूर्व सांसद आलोक तिवारी आदि ने भी जनेश्वर मिश्र जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

जननायक कर्पूरी ठाकुर को याद किया

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जनपदों में 24 जनवरी को समाजवादी आंदोलन के वरिष्ठ नेता, जननायक पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जयंती सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

श्री कर्पूरी ठाकुर ने डॉ राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण के साथ समाजवादी आंदोलन और सामाजिक न्याय की लड़ाई में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया था। उन्होंने बिहार में अति पिछड़ों को आरक्षण दिया था।

जननायक श्री कर्पूरी ठाकुर को पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, लाल बिहारी यादव नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद, महबूब अली सभापति लोकलेखा समितिआदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सादगी से मनाई गई बेनी बाबू की जयंती

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता बेनी प्रसाद वर्मा "बाबू जी" की 85वीं जयंती 11 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में सादगी से मनाई गई।

पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से बाबूजी श्री बेनी प्रसाद वर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

वहीं, बाबूजी की याद में आयोजित जिला ओपन क्रिकेट लीग-2025 "जे.एस.वी. कप" का समापन नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने किया। उन्होंने बेनी बाबू के

चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। श्री पाण्डेय ने के.डी.सिंह बाबू स्टेडियम बाराबंकी में विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर उत्साहवर्धन किया।

संत रविदास ने प्रेम और आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में 12 फरवरी को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 648वीं जयंती मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से संत रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

श्री अखिलेश यादव ने संत रविदास के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री यादव ने कहा कि संत रविदास जी महान समाज सुधारक थे। उन्होंने परस्पर भेदभाव और अंधविश्वासों का विरोध किया। समाज में समानता और प्रेम का संदेश दिया। स

इस अवसर पर सांसद रमाशंकर राजभर पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक रविदास मेहरोत्रा, गौरव रावत, पूर्व सांसद अरविन्द सिंह, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी डॉ राजपाल कश्यप, शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव देहरादून डीएवी कॉलेज के प्रो आर के पाठक, एसके राय आदि ने संत रविदास जी के चित्र पर पुष्पांजलि दी।

अनंतराम जी ने समाजवादी आंदोलन को मजबूती दी

बुलेटिन ब्यूरो

प्रखर समाजवादी नेता और पूर्व सांसद अनंतराम जायसवाल को 10वीं पुण्यतिथि पर 17 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री अनंतराम जायसवाल उत्तर प्रदेश विधानसभा के साथ छठी लोकसभा के भी सदस्य रहे थे। वह प्रदेश मंत्रिमंडल में भी शिक्षा-स्वास्थ्य मंत्री रहे थे। बाराबंकी निवासी श्री जायसवाल श्री राम मनोहर लोहिया और श्री मुलायम सिंह यादव के साथ रहे थे। समाजवादी आंदोलन को मजबूती देने में इनका अप्रतिम योगदान रहा। इस अवसर पर श्रद्धेय अनंतराम जायसवाल के पौत्र श्री दर्श जायसवाल एवं परिवार के श्री मुरली मनोहर जायसवाल भी उपस्थित थे।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जो लोग 100 करोड़ की व्यवस्था की बात करने का दावा कर रहे थे कहीं उनका मतलब लोगों की संख्या की जगह अपने लिए किसी 'धनराशि' की व्यवस्था से तो नहीं था।

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपाई जुमलों की मारी जनता पूछ रही है कि भाजपा सरकार के रेल मंत्री जी ने तीन हज़ार स्पेशल ट्रेन चलाने का वादा इसी महाकुंभ के लिए किया था या सन् 2169 मतलब 144 बाद के लिए?

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

महाकुंभ के अवसर पर उप्र में वाहनों को टोल मुक्त किया जाना चाहिए, इससे यात्रा की बाधा भी कम होगी और जाम का संकट भी। जब फ़िल्मों को मनोरंजन कर मुक्त किया जा सकता है तो महाकुंभ के महापर्व पर गाड़ियों को कर मुक्त क्यों नहीं?

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

महाकुंभ में लोग नहीं 'व्यवस्था' अतिविशिष्ट होनी चाहिए।

मेला क्षेत्र में VIP लोगों के आने से 'वन-वे' किये जाने की वजह से तीर्थयात्रियों को जो समस्या हो रही है, वो नहीं होनी चाहिए। सरकार पिकअप-ड्राप के लिए बसें चलाए।

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सच्चे आँसुओं का सैलाब, अहंकार के हिमालय को भी बहा ले जा सकता है, सत्ता का दंभ तो उसके सामने कुछ भी नहीं है।

जिन्होंने अपनों को खोया है उनकी हृदयविदारक व्यथा सुनने के लिए अब केवल महामहिम से ही उम्मीद बाक़ी है। आशा है महामहिम की महाकुंभ की यात्रा के दौरान उप्र की असफल भाजपा सरकार, अपनी नाकामी छुपाने के लिए, ऐसे सभी लोगों की आवाज़ महामहिम के समक्ष उठाने से उन्हें नहीं रोकेगी।

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जनहित में अच्छी सलाह देना ही सकारात्मक राजनीति है।

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 08 Feb

'My mother died in Kumbh stampede... now I'm running from one office to another for death certificate'

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जिन पर है बीती, दुख वो ही जाने
बाक़ी सत्ता के दावे, तो हैं 'फ़साने'

Translate post

'हम ज़िंदा थे, लेकिन सिपाही बोला इसे गंगा में बहा दो'

अनीता देवी अपनी 12 साल की बच्ची के सहारे पूरा घर छोड़कर कुंभ गई थीं

Akhilesh Yadav @yadavakhile... · 31 Jan

जब लोग अपनों को खोते हैं
तब झूठी मुस्कानों के आगे
सच के आँसू बहते हैं...!!!

Following

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग महाकुंभ में फँसे लोगों के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था कर रहे है उनके सद्प्रयासों के ऊपर राजनीतिक विद्वेषवश मिट्टी डाल दी जा रही है।

जनता संज्ञान ले!

Translate post

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

मिल्कीपुर उपचुनाव में राय पट्टी अमानीगंज में फ़र्ज़ी वोट डालने की बात अपने मुँह से कहनेवाले ने साफ़ कर दिया है कि भाजपा सरकार में अधिकारी किस तरह से धांधली में लिप्त है। निर्वाचन आयोग को और कोई सबूत चाहिए क्या?

@ECISVEEP @Uppolice

Translate post

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

भूतपूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त श्री एस. वाई. क़ुरैशी जी और उनकी लिखी एक कृति के साथ।

Translate post

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

जिन सांविधानिक संस्थाओं से देश के लोकतंत्र को आशा है अगर वही निराशा को जन्म देंगे तो उनसे हम उनकी अपनी भूमिका के लिए श्वेतपत्र नहीं माँगेंगे बल्कि उन्हें श्वेतवस्त्र भेंट करेंगे।

Translate post

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

झूठ बोलनेवालों कि सबसे बड़ी पहचान ये होती है कि वो अपनी कमियों, अपनी ग़लतियों और अपनी असफलताओं के लिए किसी और को दोषी बताते हैं।

आज सत्ताधारियों द्वारा महाकुंभ को लेकर जो बयानबाज़ी मीडिया के सामने की गयी है, वो उनकी कमज़ोरी का प्रतीक है। भाजपा सरकार में लोगों के बीच अपने को 'झूठ का कुलपति' साबित करने की होड़ लगी है। इंजन और डिब्बों के बाद अब तो पहिये भी टकरा रहे हैं। ये बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, पर वो दावे आख़िर में झूठ साबित होते हैं।

ये समझ नहीं आता है कि जो भी बात ये अंदाज़े से करते हैं वो नकारात्मक ही क्यों होती है, क्या इसका कारण ये है कि वो स्वयं नकारात्मक हैं या उनके कामों के परिणाम नकारात्मक निकलते हैं। झूठ बोलनेवाले याद रखें कि जुमलों की उम्र बहुत ज़्यादा नहीं होती है।

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

पीडीए की एकता ही देश का भविष्य है।

Translate post

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

श्री उदय प्रताप सिंह जी को 'चराग़-ए-दैर' सम्मान मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhile... · 31 Jan

हादसों की सच्चाई, आँकड़े छिपाना दरअसल साक्ष्य छिपाना है ये एक अपराध है।

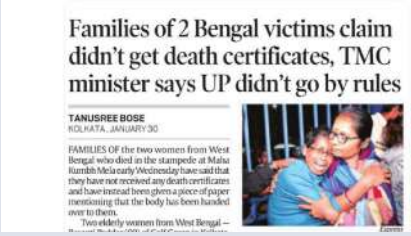

Families of 2 Bengal victims claim didn't get death certificates, TMC minister says UP didn't go by rules

TANUSREE BOSE
KOLKATA, JANUARY 30

FAMILIES OF the two women from West Bengal who died in the stampede at Maha Kumbh Mela early Wednesday have said that they have not received any death certificates and have instead been given a piece of paper mentioning that the body has been handed over to them.

Two elderly women from West Bengal –

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

जिस आधार पर किसी की गिरफ़्तारी की बात की जा रही है अगर उस आधार के आधार पर ईमानदार कार्रवाई हो तो भाजपा के अधिकतर लोग हिरासत में ही मिलेंगे।

Akhilesh Yadav ✓
@yadavakhilesh

Attended the wedding of Sukhbir Singh Badal Ji's daughter. Best wishes to the couple.

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

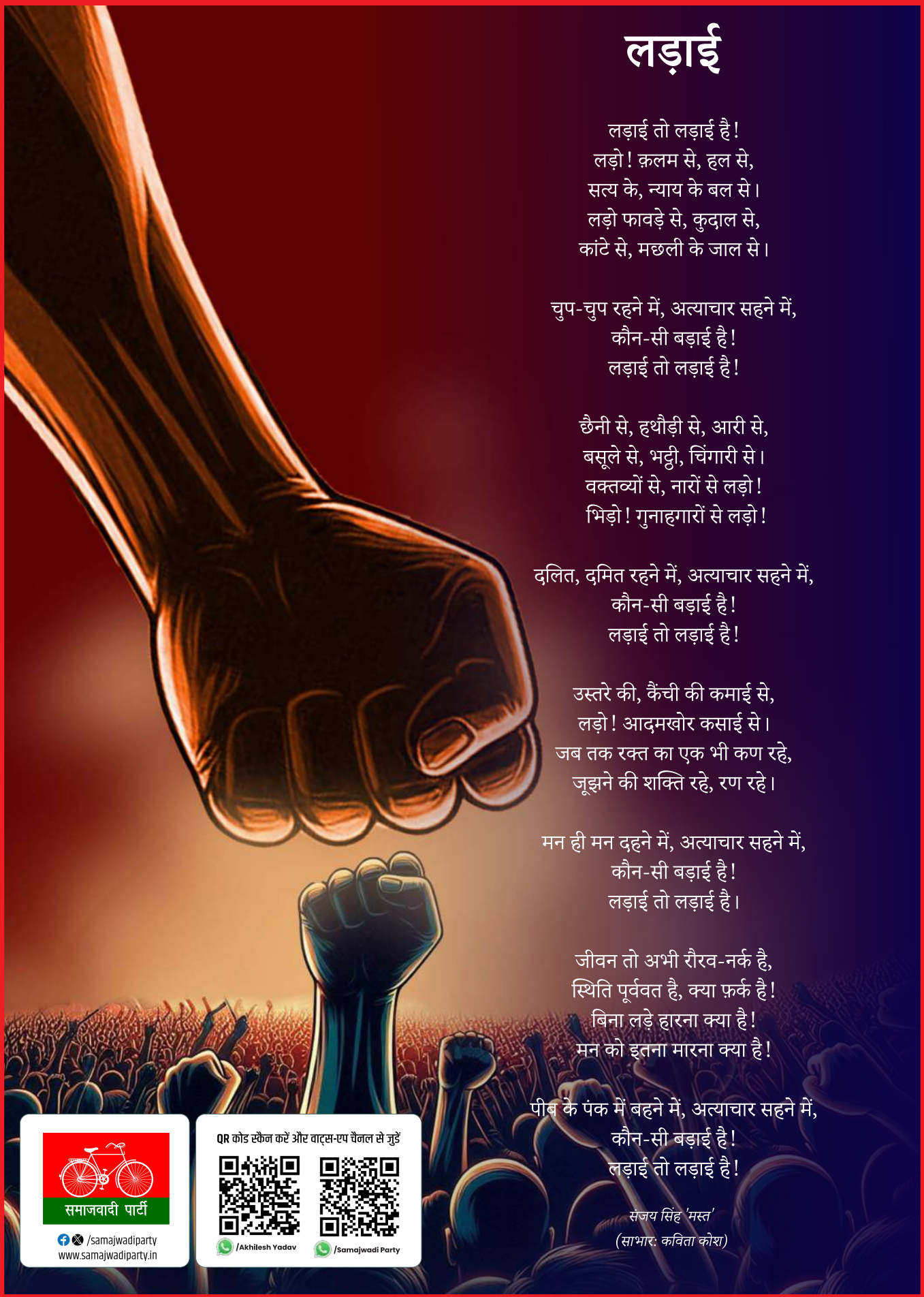

लड़ाई

लड़ाई तो लड़ाई है!
लड़ो! क़लम से, हल से,
सत्य के, न्याय के बल से।
लड़ो फावड़े से, कुदाल से,
कांटे से, मछली के जाल से।

चुप-चुप रहने में, अत्याचार सहने में,
कौन-सी बड़ाई है!
लड़ाई तो लड़ाई है!

छैनी से, हथौड़ी से, आरी से,
बसूले से, भट्ठी, चिंगारी से।
वक्तव्यों से, नारों से लड़ो!
भिड़ो! गुनाहगारों से लड़ो!

दलित, दमित रहने में, अत्याचार सहने में,
कौन-सी बड़ाई है!
लड़ाई तो लड़ाई है!

उस्तरे की, कैंची की कमाई से,
लड़ो! आदमखोर कसाई से।
जब तक रक्त का एक भी कण रहे,
जूझने की शक्ति रहे, रण रहे।

मन ही मन दहने में, अत्याचार सहने में,
कौन-सी बड़ाई है!
लड़ाई तो लड़ाई है।

जीवन तो अभी रौरव-नर्क है,
स्थिति पूर्ववत है, क्या फ़र्क है!
बिना लड़े हारना क्या है!
मन को इतना मारना क्या है!

पीब के पंक में बहने में, अत्याचार सहने में,
कौन-सी बड़ाई है!
लड़ाई तो लड़ाई है!

संजय सिंह 'मस्त'
(साभार: कविता कोश)

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party